राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 07 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-18 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

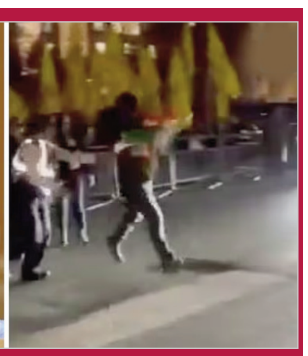

लंदन में एस जयशंकर की सुरक्षा में चूक, भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

-खालिस्तान समर्थक विदेश मंत्री के पास पहुंचा और तिरंगे का किया अपमान

नई दिल्ली। लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा में हुई चूक पर भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अलगाववादियों और चरमपंथियों के समूह के उकासवे की गतिविधियों की निंदा करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक कार्यक्रम से लौटने समय जयशंकर की कार की तरफ से एक खालिस्तान समर्थक बढ़ा और तिरंगे का अपमान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्रालय की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हमने सुरक्षा में चूक की फुटेज देखी है। उन्होंने कहा कि चरमपंथियों और अलगाववादियों के समूह के उकसावे की गतिविधियों की हम निंदा करते हैं। हम ऐसे तत्वों की तरफ से लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के गलत उपयोग की निंदा करते हैं। उन्होंने ब्रिटिश सरकार से कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि मेजबान सरकार ऐसे मामलों में अपने कूटनीति दायित्वों का पालन करेगी। जयशंकर 6 दिवसीय ब्रिटेन और आयरलैंड के दौर पर हैं। हाल ही में उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, अपने समकक्ष डेविड लैमी के साथ मुलाकात की थी और रूस-यूक्रेन समेत कई मुद्दों पर चर्चा की थी।

संभल हिंसा के एक आरोपी का फोटो वाला पोस्टर पुलिस ने सार्वेजानिक स्थानों पर लगवाया

संभल । जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद उत्तरप्रदेश पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपितों की तलाश जारी है। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपित का फोटो दिखाई दे रहा है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। इसके बाद अब पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपित की पहचान कराने को आरोपी का फोटो वाला पोस्टर सार्वजनिक स्थान पर चस्पा कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पुलिस ने अब तक करीब 76 आरोपितों की पहचान कर जेल भेज दिया है। बवाल के बाद एकत्र की गई सीसीटीवी की इन्हीं फुटेज में पुलिस को एक फुटेज ऐसी मिली है, जिसमें एक युवक भीड़ में शामिल लोगों को अपनी ओर आने का इशारा कर रहा है। पुलिस उस आरोपित की पहचान कराने में लगी रही, लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी आरोपित की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे आरोपित युवक के फोटो वाले पोस्टर छपवाकर नगर में सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा करवाए हैं, जिससे उनकी पहचान और उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके। पुलिस की ओर से चिपकवाए गए पोस्टर में सूचना देने वाले की पहचान को गुप्त रखने व इनाम देने की घोषणा भी की है।

पीएफआई मॉड्यूल से जुड़े मो. अफरोज ने किया सरेंडर, दो साल से था फरार

मुजफ्फरपुर। बिहार में फुलवारीशरीफ मॉड्यूल से जुड़े पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) के संदिग्ध सदस्य मो. अफरोज ने मुजफ्फरपुर की विशेष यूएपीए कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। वह पिछले दो साल से फरार था और पुलिस उसकी कुर्की-जब्ती की तैयारी कर रही थी। मो. अफरोज पर बरुराज के परसौनी गांव में एक ट्रेनिंग कैंप चलाने और युवाओं को संगठन से जोड़ने का आरोप है। वह पूर्वी चंपारण जिले के मेहसी थाना क्षेत्र के कस्बा गांव का निवासी है और पीएफआई के प्रदेश उपाध्यक्ष मो. रियाज मौरिफ का करीबी बताया जाता है। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने फरवरी 2023 में मो. बेलाल की गिरफ्तारी के बाद छापेमारी कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। एनआईए ने जब अब्दुल कादिर अंसारी के घर छापेमारी की थी, तब वहां से ट्रेनिंग कैंप के बैनर, संदिग्ध दस्तावेज और तलवारें बरामद की गई थीं। इस मामले में यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत केस दर्ज किया गया था, जिसमें मो. बेलाल, अब्दुल कादिर, रियाज मौरिफ, याकूब खान उर्फ सुल्तान उर्फ उस्मान और मो. अफरोज को आरोपी बनाया गया था। इस केस में बेलाल, कादिर और रियाज मौरिफ पहले से न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि याकूब खान अभी भी फरार है।

तमिलनाडु में आबकारी मंत्री और उनके समर्थकों के घर पर ईडी का छापा

करूर। तमिलनाडु में धन शोधन मामले में ईडी ने गुरुवार को 10 से ज्यादा स्थानों पर छापे मारे। इस कार्रवाई के तहत राज्य के आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके समर्थकों के घरों पर भी छापेमारी की गई। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर छापेमारी की। इनमें प्रमुख रूप से करूर जिले के रायनूर स्थित कोंगू मेस के मालिक मणि का घर शामिल है। इसके अलावा, इरोड रोड पर सरकारी ठेकेदार एम शंकर आनंद और शक्ति मेस के मालिक कार्थी के आवासों पर भी छापा मारा। ये सभी लोग मंत्री सेंथिल के समर्थक माने जाते हैं। ईडी की यह छापेमारी धन शोधन के मामले में चल रही जांच का हिस्सा है, जिसके तहत कई अहम स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री के प्रयास से उत्तराखंड में बाइक रैली और ट्रैकिंग को मिलेगा बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने शीतकालीन पर्यटन के साथ शीतकालीन साहसिक खेलों को दिया बढ़ावा

▶▶ **लद्दाख तर्ज पर उत्तराखंड के हर्षिल क्षेत्र को देश का बड़ा मोटर बाईक डेस्टिनेशन बनाया जाना है।**

देहरादून ।

राज्य में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने एवं गंगोत्री धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल उत्तरकाशी के मुखवा गांव में मां गंगा के दर्शन करने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हर्षिल, उत्तरकाशी में शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम के तहत 2 मोटर बाइक रैली एवं 2 ट्रैक रूट दलों को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने धार्मिक पर्यटन के साथ शीतकाल के समय उत्तराखंड में होने वाले साहसिक खेलों को भी बढ़ावा दिया। जिसके तहत उन्होंने नेलांग, जादुंग, सोनम एवं पीडीए घाटी के अद्भुत और अनछुए पर्यटन गंतव्यों के लिए साहसिक पर्यटन अभियानों का फ्लैग ऑफ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर्षिल से पी.डी.ए मोटर बाईक-एटीवी-आरटीवी रैली के 21 सदस्यों (भारतीय सेना) के दल एवं हर्षिल-जादुंग मोटर बाइक रैली के 18 सदस्यों (उत्तराखंड पर्यटन) के दल को फ्लैग ऑफ किया। साथ ही उन्होंने नीला पानी-मुलिंग ला पास ट्रैक के 15 सदस्यों (आई.टी.बी.पी) के दल एवं जादुंग-जनकताल ट्रैक पर जा रहे 22 सदस्यों (एन.आई.एम) के दल का भी फ्लैग ऑफ किया। मोटर बाईक-एटीवी-आरटीवी रैली (हर्षिल - पी.डी.ए), मोटर बाइक रैली (हर्षिल-जादुंग) मोटर बाइक रैली नेलांग, जादुंग, सोनम एवं पी.डी.ए वैली में आयोजित की जा रही है। इन घाटियों की भौगोलिक स्थिति लद्दाख की भांति है। जिसका उद्देश्य लद्दाख वैली की तर्ज पर उत्तराखंड के हर्षिल क्षेत्र को देश का बड़ा मोटर बाईक डेस्टिनेशन बनाया जाना है। नीलापानी-मुलिंग ला पास ट्रैक एवं जादुंग-जनकताल ट्रैक रूट गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र में स्थित है तथा भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना बाईब्रेन्ट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सम्मिलित है। जो ईनर लाईन क्षेत्र में पड़ते है, जहाँ पर आवागमन हेतु ईनर लाईन परमिट की आवश्यकता होती है। उक्त क्षेत्र को पुनः बसायत किये जाने हेतु पर्यटन विभाग द्वारा जादंग में होमस्टे बनाये जा रहे हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों के रोजगार एवं आजीविका के विकास का सृजन किया जाना है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड में कोई 'ऑफ-सीजन' नहीं होना चाहिए और पर्यटन को हर मौसम में फलना-फूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, पहाड़ों में पर्यटन मौसमी है, जिसमें मार्च, अप्रैल, मई और जून के दौरान पर्यटकों की अच्छी-खासी आमद होती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके बाद पर्यटकों की संख्या में भारी

गिरावट आती है, जिससे सर्दियों के दौरान अधिकांश होटल, रिसॉर्ट और होमस्टे खाली हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस असंतुलन के कारण उत्तराखंड में साल के एक बड़े हिस्से में आर्थिक ठहराव बना रहता है और पर्यावरण के लिए भी चुनौतियां पैदा होती हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा सर्दियों के दौरान उत्तराखंड की यात्रा करने से देवभूमि की दिव्य आभा की सच्ची झलक मिलती है। उन्होंने कहा विंटर टूरिज्म में यहां, लोगों को ट्रैकिंग, स्कीइंग जैसी एक्टिविटीज का रोमांच, सचमुच में रोमांचित कर देगा।

कांग्रेस अपनी ही संपत्ति का करेगी आकलन, सांगला को सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली।

पूरे में देश में अलग अलग जगहों पर पड़ी कांग्रेस की संपत्ति को व्यवस्थित करने के लिए कांग्रेस ने बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक नया विभाग गठित करने की घोषणा के साथ ही एआईसीसी के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। इस विभाग को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तहत स्थापित किया गया है और इसे तुरंत प्रभाव से लागू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य पार्टी की संपत्तियों का सही लेखा-जोखा तैयार करना, उनकी मौजूदा स्थिति की समीक्षा करना और उनके उचित रखरखाव को सुनिश्चित करना है।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब कांग्रेस कई राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी हुई है। बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में अगले कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए पार्टी अपनी रणनीति को मजबूत कर रही है। इस नए विभाग के जरिए पार्टी अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रबंधन कर सकेगी और चुनावी तैयारियों के लिए संसाधनों का सही इस्तेमाल करने में सक्षम होगी। इस विभाग की जिम्मेदारी पूर्व सांसद और पंजाब सरकार में मंत्री रह चुके विजय इंदर सिंगला को सौंपी गई है। सिंगला वर्तमान में एआईसीसी के संयुक्त कोषाध्यक्ष भी हैं और अब उन्हें कांग्रेस की संपत्तियों के प्रबंधन की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किए हैं, जिसमें सिंगला को इस नए विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। विजय इंदर सिंगला के नेतृत्व में यह विभाग देशभर में कांग्रेस की संपत्तियों की सूची तैयार करेगा, उनकी कानूनी स्थिति की जांच करेगा और उनका सही मूल्यांकन करेगा। इससे पार्टी को न केवल अपनी विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, बल्कि यह भी स्पष्ट होगा कि कांग्रेस के पास वास्तव में कितनी संपत्ति है और उसका सही तरीके से उपयोग कैसे किया जा सकता है।

आने वाले दिनों में इस कमेटी की रिपोर्ट से कांग्रेस के आर्थिक ढांचे और संपत्ति प्रबंधन की स्थिति पर और अधिक स्पष्टता

मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस के पास देशभर में कई कार्यालय, भवन, जमीन और अन्य अचल संपत्तियां हैं, जो दशकों से पार्टी के संचालन का आधार रही हैं। हालांकि, इन संपत्तियों की सटीक संख्या और उनके मूल्य को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी।

बच्चे ने खेला ऑनलाइन गेम, साइबर ठग ने मां के बैंक से उड़ा दिए डेढ़ लाख

लखनऊ।

साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। साइबर अपराधी आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को लाखों रुपए की चपत लगा रहे हैं। वे बुजुर्ग और बच्चों को निशाना बना रहे हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला यूपी के लखनऊ का सामने आया है जहां 14 साल के बच्चे के साथ ठगी की गई है। बच्चे ने मोबाइल गेम खेलने के दौरान एक गलती की और उसकी मां के अकॉउंट से पैसे उड़ गए। उसने एप में मांगे जाने पर अपनी मां के बैंक खाते की जानकारी दे दी, जिसके बाद ठगों ने उस अकॉउंट से डेढ़ लाख रुपए उड़ा दिए। घटना गोमती नगर के विभूति खंड में रहने वाले बच्चे के साथ घटी। बच्चे की मां ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस जांच कर रही है। बता दें कि ऑनलाइन गेम या ऑफर के नाम पर साइबर ठगी का यह पहला मामला नहीं है बल्कि पहले भी ऐसे केस सामने आते रहे हैं। इस साल जनवरी में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने 54.9 लाख रुपए का चूना लगा दिया था। ठगों ने उसे ऑनलाइन जॉब ऑफर दिया था।

अधिकारी ने बताया कि बदलापुर निवासी पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि युवक ने आरोप लगाया कि एक महिला ने खुद को एक कंपनी में टीम लीडर बताकर ऑनलाइन वर्क फॉम होम का ऑफर देते हुए उन्हें कॉन्टैक्ट किया था।

कौशांबी से पकड़ा गया खालिस्तानी आंतकी लाजर मसीह, कुंभ में गड़बड़ी फैलाने की तैयारी

कौशांबी ।

यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दोनों टीमों ने संयुक्त अभियान चलाकर कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सक्रिय आतंकवादी को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आतंकी के पास से 3 हैंड ग्रेनेड, 2 डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्तौल और 13 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। इसकी पहचान अमृतसर के कुर्लियान गांव के रहने वाले संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह के रूप में हुई है। गिरफ्तार आतंकी महाकुंभ में गड़बड़ी फैलाने की फिराक में था। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने इसकी जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक कुमार ने गिरफ्तार आतंकी को लेकर कई बड़े खुलासे किए। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लाजर लगातार आईएसआई के संपर्क में था। पाकिस्तान में बैठे कुछ हैंडलर आंतकी लाजर लगातार ड्रोन और गोला बारूद और असलहे भेज रहे थे। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लजर प्रयागराज में हुए महाकुंभ में कोई बड़ी आतंकी घटना करना चाहता था। इसके अलावा आतंकी पाकिस्तान से कई विस्फोटक हथियार भी अपने साथ लेकर आया था। महाकुंभ में आतंकी साजिश रचने के बाद लाजर पुर्तगाल भागने की फिराक में था। डीजीपी ने बताया कि महाकुंभ में आतंकी घटना करने के लिए आंतकी लाजर कौशांबी, लखनऊ और कानपुर में रहकर प्लान भी तैयार किया था। पुलिस को जब आतंकी घटना की जानकारी मिली तो सर्च अभियान चलाया। पुलिस की कार्रवाई में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी लाजर मसीह को कौशांबी से गिरफ्तार कर लिया गया।

महानिदेशक (यूपी स्पेशल टास्क फोर्स, कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि आंतकी मसीह कथित तौर पर बीकेआई के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी से जुड़ा हुआ है और वह पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के सीधे संपर्क में भी था। ऑपरेशन के दौरान यूपी एसटीएफ ने तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड सहित विस्फोटक और अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया। इसके अलावा दो सक्रिय डेटोनेटर। एक विदेशी निर्मित नोरिन्को एम-54 टोकरेव पिस्तौल (7.62 मिमी)। विदेश में बने तेरह कारतूस (7.62×25 मिमी)। सफेद रंग का विस्फोटक पाउडर। गाजियाबाद के पते वाला आधार कार्ड। बिना सिम कार्ड वाला मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

केरल में निपाह वायरस को लेकर बढ़ी चिंता, सरकार ने शुरु की तैयारी

तिरुंवतनमपुरम ।

केरल में निपाह वायरस को लेकर फिर चिंता बढ़ गई है। केरल राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कोझिकोड, मलप्पुरम, कन्नूर, वायनाड और एर्नाकुलम जिलों को जूनोटिक संक्रमण के हॉटस्पॉट मानकर विशेष सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। चमगादड़ों के प्रजनन के मौसम से पहले इन जिलों में जागरूकता अभियान शुरू किया गया हैं ताकि निपाह वायरस के बढ़ते खतरे को रोक सके। मिली जानकारी के मुताबिक, केरल सरकार ने रोग-ट्रैकिंग स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर कई बचाव उपाय किए हैं। इसमें सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम भी शामिल हैं, इसके द्वारा लोगों को निपाह वायरस से जुड़ी जोखिमों की जानकारी दी जा रही है और इससे बचाव के तरीकों के बारे में बताया जा रहा है।

दरअसल निपाह वायरस एक जूनोटिक वायरस है, यानी यह जानवरों से इंसानों में फैलता है। यह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों और सुअरों के जरिए इंसानों में फैलता है। लेकिन सबसे चिंता वाली बात यह है कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से यह इंसान

से इंसान में भी तेजी से फैल सकता है।

यह वायरस पहली बार 1998 में मलेशिया में पाया गया था, जब यह सुअरों से इंसानों में फैला था। भारत में भी 2001 और 2018 में इसके मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, निपाह वायरस का मृत्यु दर 40 से 75 प्रतिशत तक हो सकता है, जबकि कोविड-19 की मृत्यु दर औसतन 2 से 3 प्रतिशत थी। इसका मतलब है कि यह वायरस कम समय में ज्यादा लोगों की जान ले सकता है। फिलहाल, इस वायरस के लिए कोई वैक्सीन या पुख्ता इलाज उपलब्ध नहीं है, जिससे इसका खतरा और बढ़ जाता है।

सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी स्टालिन की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट से राहत

उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री एम उदयनिधि स्टालिन को फौरी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उदयनिधि के खिलाफ उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि एक ही मुद्दे पर कई शिकायतें दर्ज नहीं हो सकतीं। साथ ही न्यायालय ने मौजूदा प्राथमिकियों की सुनवाई कर रही अदालतों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से स्टालिन को दी गई छूट संबंधी अंतरिम आदेश की अवधि बढ़ा दी। दरअसल एक कार्यक्रम में उदयनिधि स्टालिन ने बयान दिया था कि जिस तरह से कोरोना, मलेरिया, डेंगू को खत्म करते हैं, उसी तरह सनातन धर्म का सिर्फ विरोध नहीं होना चाहिए, बल्कि सनातन धर्म को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ स्टालिन की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने सभी प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने और शिकायतों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। पीठ ने लंबित मामले में दायर उनकी याचिका पर उन राज्यों को नोटिस जारी किए जहां नई प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

स्टालिन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि महाराष्ट्र के अलावा पटना, जम्मू और बेंगलुरु में भी प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। उन्होंने तर्क देकर कहा कि सभी मामलों को तमिलनाडु में स्थानांतरित किया जा सकता है जहां कथित घटना हुई थी। सिंघवी ने कहा कि स्टालिन के खिलाफ बिहार में एक नया मामला दर्ज हुआ है और लंबित याचिका में वहां के शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने के लिए संशोधन याचिका दायर की गई है। वकील सिंघवी ने कहा, नूपुर शर्मा के मामले में शब्दों को बहुत अधिक आक्रामक माना जाता है। न्यायालय ने अन्य सभी मामलों को उस स्थान पर स्थानांतरित किया था जहां पहली बार प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इस मामले में यहीं समाधान है। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि सनातन धर्म को मलेरिया, कोरोना, डेंगू आदि की तरह खत्म किया जाना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं कर रहे... केवल एक ही सवाल है कि क्या इन्हें एक ही स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि केवल इसलिए कि हिंदुओं ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, नेता को ऐसा कहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। स्टालिन के वकील सिंघवी ने मेहता की दलीलों पर आपत्ति जताकर कहा कि वे अन्य श्रोताओं के लिए बोल रहे थे। मेहता ने कहा, नहीं, मेरे कोई और श्रोता नहीं है, मैं सिंघवी की तरह संवाददाता सम्मेलन नहीं कर सकता। इस पर सिंघवी ने पलटवार कर कहा, आप अभी अदालत में ऐसा कर रहे हैं। मामले में आगे की सुनवाई 28 अप्रैल को होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम करता है जन औषधि

(जन औषधि दिवस 7 मार्च पर विशेष)

पिछले 10 वर्षों में उद्यमियों को रुपये 297.95 करोड़ की कुल प्रोत्साहन राशि वितरित हुई है। इसके अलावा, बिक्री का मार्जिन, एमआरपी का 20 फीसदी की दर से रुपये 1394.70 करोड़ केंद्र मालिकों के पास भी पहुंचा हैं। इस प्रकार न केवल नागरिकों को बल्कि उद्यमियों को भी इस तरह की वित्तीय सहायता से बड़े पैमाने पर लाभ हुआ है, और उन्होंने सफलतापूर्वक केंद्रों की श्रृंखला स्थापित कर ली है। योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोग और मीडिया का एक वर्ग इन दवाओं को मेडिसिन के नाम से संदर्भित कर रहे है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर जेनेरिक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाए। देश में बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का मुख्य मकसद जन औषधि परियोजना के तहत देश की जनता को उच्च गुणवत्ता युक्त जैनेरिक दवाईयां सस्ते दामों पर उपलब्ध कराना है। जेनेरिक दवाइयों को बढ़ावा देना जिससे प्रति व्यक्ति इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम किया जा सके। पिछले 10 वर्षों में जन औषधि परियोजना ने आम जनता के लगभग 30 हजार करोड़ रूपये बचाये है।भारतीय औषधि और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवि दाधीच के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में 1236 करोड़ रूपये की दवाईयाँ जन औषधि केंद्रों के माध्यम से बेची जा चुकी हैं, जिसके माध्यम से देश की आम जनता के लगभग 7000 करोड़ रूपये बचा चुके हैं क्यूंकि जन औषधि केंद्रों पर मिलने वाली दवाइयों की कीमतें बाजार में बिक रही दवाइयों की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक कम हैं। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2023-24 में 1470 करोड़ रूपये की बिक्री की गयी है जिससे आम जनता के लगभग 7350 करोड़ रूपये बचाये गए हैं। चालू वित्त वर्ष में 28.02.2025 तक 1767 करोड़ रूपये की बिक्री कर ली गयी है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग 185 गुना की वृद्धि हुयी है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत सभी को सस्ते मूल्यों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जेनेरिक औषधियों को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं । देश भर में 28.02.2025 तक 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं । इन केंद्रों में सरकार द्वारा खरीदी गयी जेनेरिक दवाइयां बेचीं जा रही हैं जिनके मूल्य खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाइयों के मूल्यों की तुलना में 50-80 प्रतिशत तक कम होते हैं। वर्तमान में इन केंद्रों पर 2047 दवाइयां एवं 300 अन्य सर्जिकल आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना बिहार के नोडल पदाधिकारी कुमार पाठक के अनुसार प्रधानमंत्री जन औषधि योजना अंतर्गत अभी तक सभी प्रमुख श्रेणियों की दवाईयां जैसे कि मधुमेह, रक्तचाप, गैस्ट्रो ,आदि की दवाएं उपलब्ध् हैं। जनऔषधि केन्द्रो से बिकने वाली दवाइयों के प्रत्येक बैच को एन ए बी एल प्रत्यायित प्रयोगशालाओं से परीक्षण कराया जाता है। वहीं पी. एम्. बी. आई. ने आयुष प्रोडक्ट्स जैसे त्रिफला, शिलाजीत, अश्वगंधा और च्यवनप्राश स्पेशल जैसे प्रोडक्ट्स भी सस्ते दामों पर जन औषधि केंद्रों के जरिये उपलब्ध कराये हैं। पी एम बी आई. अनेक प्रकार के फ़ूड प्रोडक्ट्स जो की एफ एस एस आई के अंतर्गत आते हैं उनको भी जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध करवाता है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग 185 गुना की वृद्धि हुयी है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत 29 से भी ज्यादा विशिष्ट श्रेणियों की दवाइयों को रखा गया है। जैसे

एंटीबायोटिक्स और एंटी-इन्फेक्टिव, एंटी-एलर्जिक, एंटी-कैंसर, गैस्ट्रो-आंत्र एजेंट ,एंटी डायबिटिक, विटामिन और मिनरल्स, कार्डियोवैस्कुलर दवाएं, फ़ूड सप्लीमेंट्स/ न्यूट्रास्यूटिकल्स, एनाल्जेसिक और एंटीपीयरेटिख् टोपिकल मेडिसिन्स इत्यादि।

वहीं 300 सर्जिकल उपकरण एवं अन्य उत्पादों को भी रखा गया है। इनमें मास्क, टांके, आर्थोपेडिक रिहैबिलिटेशन प्रोडक्ट्स, डायपर, सर्जिकल ड्रेसिंग, रबर ग्लव्स, सीरिंज और सुई,ऑक्सीमीटर, सैनिटरी नैपकिन, रैपिड एंटीजन टेस्ट किट हैं।इन दवाइयों को डब्लू एच ओ - जी एम पी सर्टिफाइड दवा उत्पादक कंपनियों से ही खरीदा जाता है। देश के हर हिस्से में दवाइयां पहुंचने के लिए एक सुदृढ़ व्यवस्था की गयी है जिसके लिए डब्लू एच ओ गाइडलाइन्स पर आधारित केंद्रीय गोदाम गुरुग्राम एवं चार क्षेत्रीय गोदाम जो की गुवाहाटी, सूरत, चेन्नई एवं बेंगलुरु में उपस्थित हैं। इसके अलावा 36 डिस्ट्रीब्यूटर की भी नियुक्ति की गयी गई है जहाँ से देश भर के जन औषधि केंद्रों को दवाइयां मुहैया कराई जाती है । केंद्रीय गोदाम, क्षेत्रीय गोदाम, डिस्ट्रीब्यूटर एवं जन औषधि केंद्रों को पूरी तरह से एस.ए.पी आधारित सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया है साथ ही साथ सभी केन्द्रो पर पॉइंट ऑफ़ सेल सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन भी लगाया गया है जिससे दवाइयों की आपूर्ति ठीक तरह से हो सके एवं देश के किसी भी केंद्र पर दवाइयों की कमी न हो। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का विस्तार करते हुए अब तक देश में 15000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं, जन औषधि परियोजना के तहत अब तक पूरे देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सभी जिले इस योजना के तहत लाभान्वित हो चुके हैं। सरकार ने इन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर मार्च 2027 तक 25000 करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के द्वारा रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है ।

जन औषधि केंद्र कोई भी व्यक्तिगत व्यक्ति, फार्मासिस्ट, उद्यमी, एनजीओ, ट्रस्ट, सोसाइटी, इंस्टीटयूशन इत्यादि, जिनके पास 120 वर्ग फुट की दुकान हो एवं एक प्रशिक्षित फार्मासिस्ट उनके पास हो, जन औषधि केंद्र खोल सकता है। जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदन आधिकारिक वेबसाइट **janaushadhi.gov.in** पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन करने के पश्चात पी. एम्. बी. आई. हेड ऑफिस से प्रिंसिपल अप्रूवल लेटर जारी किया जाता है जिसके आधार पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के नाम पर लाइसेंस लेने के लिए लाइसेंसिंग अथॉरिटी को अप्लाई कर सकते हैं। लाइसेंस मिलने के बाद आप पी. एम्. बी. आई. से दवाइयां ले सकते हैं।जन औषधि केंद्र संचालक को सरकार की तरफ से मासिक खरीद पर 20त्न की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जिसकी अधिकतम सीमा 20,000/- रुपये प्रति माह होगी। इसे दवाओं की न्यूनतम भंडारण अनिवार्यता से जोड़ा गया है। महिला उद्यमी, विकलांग, सेवानिवृत सैनिक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, नार्थ ईस्टर्न स्टेट्स, पर्वतीय क्षेत्रों के आवेदकों को 2.00 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उनको केंद्र तैयार करने के लिए अलग से दी जाती है। बिक्री करने के लिए एक सॉफ्टवेयर भी दिया जाता है। प्रचार-प्रसार सामग्री भी केंद्र संचालक को उपलब्ध कराई जाती है।

उद्यमिता और फ्रेंचाइजी मॉडल पर आधारित यह योजना नियमित कमाई के साथ-साथ स्वरोजगार का एक अच्छा स्रोत भी प्रदान कर रही है। भारत में जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं, इसलिए नियमित आधार पर बिक्री बढ़ रही है जिससे उद्यमियों को अधिक आय का लाभ हो रहा है।

ग्रामीण कवरेज के लिए, देश के आंतरिक हिस्सों में परियोजना का लाभ लोगों तक पहुँचाने के लिए पीएमबीजेपी को सहकारी क्षेत्र के साथ एकीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं और उद्यमियों को पीएमबीजेपी का लाभ पहुंचाना है जो अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। 28 फ़रवरी 2025 तक 2700 से ज्यादा पैक्स को जन औषधि केंद्र खोलने हेतु प्रारंभिक अनुमोदन पत्र दिया गया है जिनमें से 727 जन औषधि केंद्र खुल चुके हैं।

पिछले 10 वर्षों में उद्यमियों को रुपये 297.95 करोड़ की कुल प्रोत्साहन राशि वितरित हुई है। इसके अलावा, बिक्री का मार्जिन, एमआरपी का 20 फीसदी की दर से रुपये 1394.70 करोड़ केंद्र मालिकों के पास भी पहुंचा हैं। इस प्रकार न केवल नागरिकों को बल्कि उद्यमियों को भी इस तरह की वित्तीय सहायता से बड़े पैमाने पर लाभ हुआ है, और उन्होंने सफलतापूर्वक केंद्रों की श्रृंखला स्थापित कर ली है। योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोग और मीडिया का एक वर्ग इन दवाओं को मेडिसिन के नाम से संदर्भित कर रहे है। इसके अलावा, आम आदमी जनऔषधि केंद्र को प्रधानमंत्री जी की दुकान के रूप में संदर्भित कर रहा है।

संपादकीय

व्यापार युद्ध

दूसरी बार बने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव के दौरान लिए गए वादों को निभाने में बड़ी सक्रियता के साथ जुट गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने निर्यात शुल्क बढ़ाकर ट्रेड वार यानी व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। ट्रंप ने जो ट्रेड वॉर छेड़ने का एक तरफा फैसला किया है अब उनको जवाब मिलना भी शुरू हो गया है। सबसे बड़े वैश्विक ट्रेड वार की शुरुआत करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कनाडा, मेक्सिको और चीन से आयात होने वाले कई उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। अमेरिका ने जहां कनाडा और मेक्सिको से स्टील अल्युमिनियम समेत कई धातुओं और अन्य उत्पादों के आयात पर 25 प्रतिशत टैक्स लगा दिया है जबकि कनाडा के ई ऊर्जा उत्पादन के आयात पर अमेरिका ने 10 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। अमेरिका ने चीन से होने वाले हर आयात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगा बढ़ा दिया है पहले यह शुक्ल 10 प्रतिशत था। अमेरिका ने शुल्क लगाने का जो बड़ा फैसला किया है वहीं चीन और कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगा दिया है। चीन ने भी अमेरिका से आयात कई कृषि उत्पादों जैसे चिकन, सोया, मक्का और बीफ पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाने का जवाबी ऐलान कर दिया है। वर्ष 2023 में चीन ने अमेरिका से 33 अरब डॉलर के कृषि उत्पादक आयात किए थे जिस पर अब असर पड़ेगा और इससे चीन को नुकसान भी होगा। वहीं दुनिया के दो बड़े देश अमेरिका और चीन समेत चार प्रमुख देशों के बीच जो व्यापार युद्ध छिड़ा है उसके असर का भी आकलन किया जा रहा है। आकलन इस बात का भी किया जा रहा है कि इस व्यापार युद्ध से भारत को कितना फायदा होने जा रहा है। यह उम्मीद की जा रही है कि इस व्यापार युद्ध से भारत से अमेरिका को निर्यात में 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। भारत से कुल 8.40 लाख करोड रुपए का निर्यात अमेरिका को हो सकता है अभी भारत अमेरिका को 7.63 करोड रुपए के समान का निर्यात और 3.65 लाख करोड रुपए का आयात करता है। यह व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है।भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में शिपमेंट बढ़ाने में मदद मिलेगी। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 2019 में चीन पर अधिक टैरिफ ड्यूटी लगाई थी तभी भारत चौथा सबसे बड़ा लाभ पाने वाला देश बन गया था। विशेषज्ञों का यह मानना है कि व्यापार युद्ध से भारत को फायदा उठाने के लिए तुरंत होमवर्क करना चाहिए भारत को तीन मोर्चे पर युद्ध स्तर पर काम करना होगा। यह तीन मोर्चे हैं प्रोडक्शन ग्रोथ और डिमांड। प्रोडक्शन बढ़ाने से रोजगार में फायदा मिलेगा लोगों की जेब में ज्यादा पैसा आएगा तो बाजार में डिमांड बढ़ने वाली है इससे इकोनॉमी की ग्रोथ रेट बढ़ जाएगी यह तीनों फैक्टर भारत के पक्ष में जा सकते हैं। लेकिन विदेशी निवेशकों को रोकना भी भारत के लिए एक बड़ी चुनौती रहने वाली है। वही अमेरिका द्वारा छेड़े गए ट्रेड वॉर को लेकर इस वार से जुड़े रहे चीन का यह कहना है कि अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम अंत तक लड़ने के लिए तैयार हैं फिर चाहे वह टैरिफ बार हो या ट्रेड वॉर हो या और कोई युद्ध हो। वही ट्रेड वॉर से प्रभावित कनाडा के प्रधानमंत्री का यह कहना है कि ट्रंप खुद को चतुर समझते हैं लेकिन टैरिफ लगाकर मूर्खता कर रहे हैं।

शेयर बाजार लगातार धड़ाम!- शुभ मंगल में अमंगल कोहराम!

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर दशकों से यह प्रचलन रहा है कि जब भी कोई प्राकृतिक, मानवीय मेड घटना, महायुद्ध सत्ता का पलटना महामारी इत्यादि कुछ घटनाएं होती है तो इसका प्रभाव संबंधित अनेक क्षेत्रों में होता हुआ दिखता है। जैसे 57 देशों के इस्लामी सहयोग संगठन, खड़ी देश हो या फिर विकसित देशों के बीच टकराव हो इससे तेल का रेट बढ़ना, किसी राजनीतिक उलटफेर का डर या कानून से विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयरों की बिकवाली से शेयर मार्केट गिरना या कोई महामारी आने से स्वास्थ्य व खाद्य क्षेत्र का चरमरा जाना इत्यादि होता है। मैंनें बचपन में हर्षद मेहता का बहुत बड़ा शेयर घोटाला तथा एक स्टांप पेपर घोटाला सुना था जिसनें उच्चस्तर तक को हिला दिया था। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पिछले अनेक दिनों से भारतीय शेयर बाजार लगातार धड़ाम हो रहा है,भारत ही नहीं बल्कि ट्रंप द्वारा 4 मार्च 2025 से मैक्सिको कनाडा पर 25 परसेंट टैरिफ लगाने से ऑटोमेटेकली शेयरों को भारी मात्रा में गिरता देखा जा रहा है, इस तरह ट्रंप के विज़न अमेरिकी फर्स्ट व भारतीय लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार शेयरों की बिकवाली कर भारत से पैसा समेट रहे हैं, शायद अमेरिका में लगाने का उनका विचार हो सकता है! ऐसे अनेक संभावित कारणों की चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।चूँकि शेयर मार्केट की लगातार भारी मात्रा में गिरावट चिंतनीय है, एनएसई निफ्टी को साप्ताहिक मासिक एक्सपायरी दिन को मंगलवार से सोमवार किया गया है जो 4 अप्रैल 2025 से लागू हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शेयर बाजार लगातार धड़ाम शुभमंगल को कोहराम, मिनट भर में 1.33 लाख करोड़ स्वाहा!

साथियों बात अगर हम शेयर मार्केट की होती जा रही बुरी गति की करें तो,लगातार 12 वें दिन गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है, मंगलवार को ओपनिंग बेहद खराब रही थी। गिफ्ट निफ्टी ने भी भारी गिरावट का संकेत दिया था, और हुआ भी वैसा ही, सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले, और अब भी दबाव के साथ ही कारोबार कर रहा है। दरअसल, निवेशकों की अब हर उम्मीदें टूटती जा रही हैं। फरवरी का महीना शेयर बाजार के निवेशकों के लिए बेहद बुरा साबित हुआ।अभी मार्च का आगाज भी कोहराम के साथ हुआ है। मंगलवार को सेंसेक्स गिरावट के साथ 72,817.34 अंक पर खुला, जबकि निफ्टी 21,974.45 अंक पर खुला। मंगलवार दोपहर 1.30 बजे सेंसेक्स 176 गिरकर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 56 अंक गिरकर कारोबार कर रहा था।इससे पहले सोमवार को निफ्टी लुढ़ककर 22004 अंक तक पहुंच गया था। अगर निफ्टी 22000 अंक के नीचे चला जाता तो फिर गिरावट और बढ़ जाती है।हालांकि निफ्टी का 52 वीक लो 21,281.45 अंक है, जो मार्च-2024 का आंकड़ा है। ऐसे में टेक्निकल पैरामीटर पर अगर निफ्टी 22000 का लेवल तोड़ता है तो फिर 21000 अंक तक फिसल सकता है। फिलहाल 22000 अंक निफ्टी के लिए एक मजबूत सपोर्ट का काम कर रहा है। अगर गिरावट की बात करें तो पेटीएम के शेयर में 4.60 फीसदी, बजाज ऑटो में 5 फीसदी, हीरो मोटोकॉर्प में 3.50 फीसदी, इत्यादि अनेक शेयरों के रेट गिरे हैं, जबकि एचएएल में 3.5 फीसदी, एसबीआई में करीब 3 फीसदी, भेल में 2.50 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

साथियों बात अगर हम शेयर बाजार में गिरावटों के संभावित कारणों की करें तो,बाजार में गिरावट के ये सात मुख्य कारण हैं (1) एफआईआई की जोरदार बिकवाली- अगर बाजार में गिरावट के कारण देखें तो विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है, साल 2025 में अबतक फी भारतीय बाजार से करीब 1.50 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं. सिर्फ सोमवार को ही फिईस ने भारतीय शेयरों में 4,788 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। इससे पहले शुक्रवार 28 फरवरी को 11639 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे,वहीं भारतीय बाजार से पैसे निकालकर विदेशी निवेश चाइनीज मार्केट में लगा रहे हैं। (2) ट्रंप का टैरिफ अटैक-कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सामानों पर 25 पेर्सेंट टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। जवाब में कनाडा ने भी अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 25 पेर्सेंट का जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं. यही कारण है कि सोमवार को अमेरिकी बाजार में भी भारी गिरावट देखी गई। यही नहीं, डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ पॉलिसी ने ग्लोबल मार्केट्स में हड़कंप मचा दिया है। (3) अब बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट मिडकैप और स्मॉल कैप कंपनियों में भारी गिरावट के बीच अब लॉर्जकैप शेयरों में बिकवाली बढ़ने लगी है।मंगलवार को भी रिल के शेयरों गिरावट दर्ज की गई. इसके अलावा आईटी कंपनियों में दबाव देखने को मिल रहा है. टैरिफ वॉर से भी आईटी कंपनियों के शेयर गिर रहे हैं। निवेशकों को डर है कि टैरिफ और व्यापार तनाव के कारण भारतीय आईटी कंपनियों को मिलने वाले आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स में गिरावट आ सकती है (4) ग्लोबल सेंटीमेंट खराब- पिछले करीब 6 महीने की गिरावट से बाजार का सेंटीमेंट काफी खराब हैं।

अच्छी खबर पर भी बाजार चलने को तैयार नहीं है,खासकर अमेरिकी चुनाव के बाद डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने माहौल बिगाड़ने का काम किया है,यही नहीं, अमेरिका ने चीन से आने वाले उत्पादों पर 10 पेर्सेंट का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ऐलान किया है, इससे चीन पर कुल टैरिफ 20पेर्सेंट तक पहुंच गया है।

एक्सपर्ट्स को चीन से भी आने वाले दिनों में ऐसी ही कदमों का अनुमान हैं। (5) भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का कारण लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स माना जा रहा है- विशेषज्ञ इसे हटाने की मांग कर रहे हैं ताकि विदेशी निवेशक वापस आएं।

(चिंतन-मनन)

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

विचार मंथन

शेयर बाजार की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक ने झोंके एक लाख करोड़

(लेखक- सनत जैन)

5 महीने से अधिक हो गए, शेयर बाजार में लगातार गिरावट होने से शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 92 लाख करोड रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है। लगातार गिरावट को देखते हुए अब रिजर्व बैंक ने मोर्चा संभाला है। रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से शेयर बाजार पिछले दो दिनों से हरे निशान पर देखने को मिल रहा है। रिजर्व बैंक ने 1.1 लाख करोड रुपए के गवर्नमेंट बांड जारी करने का ऐलान किया है। रिजर्व बैंक दो फेज में शेयर बाजार में निवेश करेगी। रिजर्व बैंक, शेयर बाजार को गिरने से रोकने के लिए 24 मार्च को 10 अरब डॉलर का रुपया-डॉलर बाय सेल की नीलामी करने जा रहा है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट का सबसे बड़ा कारण विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की बिकवाली को बताया जा रहा है। बैंकों की स्थिति काफी कमजोर हो रही थी। बैंकों की स्थिति सुध्दण करने तथा बैंकों में नगदी की तरलता बढ़े। इसके लिये रिजर्व बैंक ने अपना खजाना खोल दिया है। शेयर बाजार की आय पर कैपिटल गेन लगाने से निवेशकों का रुझान भारतीय शेयर बाजार से खत्म हुआ है। शेयर बाजार में लगातार हो रही गड़बड़ी तथा नियामक संस्था सेबी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार में अब कोई भरोसा नहीं रह गया है। जिसके कारण विदेशी निवेशक अपने अपने निवेश को निकालकर अन्य देशों में निवेश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय बैंकों और शेयर बाजार को सहारा देने के लिए रिजर्व बैंक को आगे आना पड़ा है। रिजर्व बैंक 12 मार्च और 18 मार्च को 100000 करोड रुपए का ओपन मार्केट में बैंकों के जरिए निवेश करेगा। 10 अरब डॉलर की यूएसडी आईएनआर की नीलामी करेगा। रिजर्व बैंक, शेयर बाजार को मजबूती देने के लिए सामने आया है। भारतीय शेयर बाजार को लेकर देशी एवं विदेशी निवेशकों में निराशा का माहौल बना हुआ है। देश की अर्थव्यवस्था इन दोनों सबसे ज्यादा निराशाजनक दौर में है। औद्योगिक उत्पादन 14 महीने में सबसे नीचे लेवल पर है। देसी और विदेशी कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। महंगाई, बेरोजगारी का असर बाजार में है। मांग एवं उत्पादन घट रहा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ बढाये जाने का असर निर्यात और शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ महीनो में शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए बैंकों और भारतीय वित्तीय संस्थाओं द्वारा पहिले भी प्रयास किए गए है। शेयर बाजार में जो भी निवेश पिछले दिनों में किया गया, वह देखते ही देखते बाजार से गायब हो गया है। पिछले कुछ वर्षों से शेयर बाजार के लेनदेन में लगातार गड़बड़ियां हो रही है। कृत्रिम तरीके से बाजार में तेजी बनाई गई थी। इसका फायदा बड़े-बड़े पूंजीपतियों ने उठाया है। भारत के शेयर बाजार से मुनाफा वसूली करके भारतीय निवेशकों ने भी अपना धन विदेशों में लगाया है। भारत का विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार कम हो रहा है। वैश्विक अस्थिरता के चलते निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा नहीं रहा। जिसके कारण यह माना जा रहा है। रिजर्व बैंक श्ह्योयर बाजार को थामने के लिए जो प्रयास कर रहा है। उससे देश की अर्थव्यवस्था भविष्य में और भी बिगड़ सकती है। बिकवाली के इस दौर में निवेशक पैसा निकालेंगे। इससे बाजार में डाला गया धन भी बाजार से निकल जाएगा। केंद्र सरकार को भारतीय शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए अपनी नीतियों में परिवर्तन करना होगा। ।कैपिटल गेन टैक्स कम करने या हटाने का निर्णय लेना होगा। नियामक संस्था सेवी के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। निवेशकों को भरोसा दिलाना होगा, शेयर बाजार में उनका निवेश सुरक्षित है। जिस तरह से सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच को बचाने का काम सरकार एवं नियामक संस्था द्वारा किया जा रहा है। उसके कारण भी शेयर बाजार में भगदड़ की स्थिति मची है।

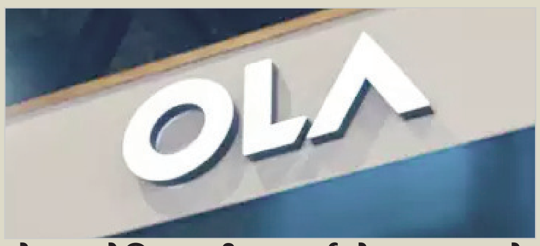

ओला इलेक्ट्रिक पीएलआई प्रोत्साहन पाने वाली पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बनी

नई दिल्ली ।

भारत की शीर्ष इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक वाहन, ने पीएलआई-वाहन योजना के अधीन एक प्रोत्साहन प्राप्त करते हुए देश की पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बन गई है। यह कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल 73.74 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन प्राप्त करने का गर्व अनुभव कर रही है। पीएलआई-वाहन योजना के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए, ओला इलेक्ट्रिक वाहन ने इसके तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और स्वच्छ, उन्नत, और टिकाऊ परिवहन समाधानों की स्वीकार्यता को बढ़ाने का उद्देश्य दिखाया है। ओला इलेक्ट्रिक की पात्रता भारत की ईवी क्रांति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के तौर पर स्वीकृति मिलने के बाद, ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज अब आगे बढ़ने के लिए तत्पर है। इस प्रोत्साहन के साथ उसे वित्त वर्ष 2023-24 के निर्धारित बिक्री मूल्य के लिए समर्थन प्राप्त हो गया है, जो कंपनी के विस्तार और उत्कृष्ट उत्पादन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएलआई-वाहन योजना के कारण, पंचायती वाहनों में ईवी तकनीक का प्रचार होने की संभावना है, जिससे देश एक सुरक्षित, पर्यावरण-सौहार्दपूर्ण, और विकसित परिवहन समाधान की ओर आगे बढ़ सकता है।

भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली । भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मामूली रूप से बढ़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। जीते देश यूएई को भी निर्यात में वृद्धि देखने को मिली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जर्मनी, मेक्सिको, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश में बढ़ा है, जबकि यूके, सऊदी अरब, मलयेशिया, चीन, इटली और स्पेन में गिरावट देखने को मिली। ईईपीसी ने बताया कि भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में वृद्धि के बावजूद जनवरी में वृद्धि में कमी आई है। उन्होंने भी कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है।

सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

नई दिल्ली । घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने से देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबर गया। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गईं। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की एक मुख्य भारत अर्थशास्त्री ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 15,000 करोड़ निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर

गांधीनगर ।

गुजरात की राजधानी में आयोजित सेमीकंडक्टर सम्मेलन के पहले दिन विदेशी कंपनियों के प्रस्तावों समेत करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना वाले समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नेक्स्टजेन समेत कई कंपनियों ने भावी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। समझौतों में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विदेशी कंपनियों ने अच्छे निर्णय लिए हैं। गुजरात सरकार की प्रमुख ने सम्मेलन की महत्वपूर्णता को जताया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नए निवेश से कई रोजगार के अवसर उस्मानी हैं। इस पहलु का उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा। गुजरात को एक नई ऊर्जा से समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प मजबूती से दिखाई दे रहा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कौशल वृद्धि के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अहमदाबाद जिले के धोलेरा शहर में भारतीय कंपनी की आगामी सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण इकाई के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवानी फर्मों पीएसएमसी एवं हाइमैक्स टेक्नोलॉजीज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बयान के मुताबिक गुजरात में 500

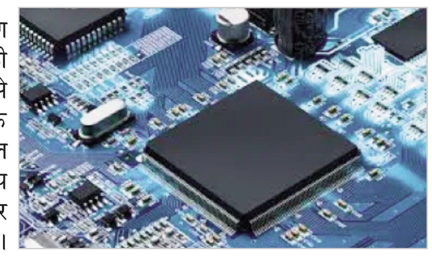

करोड़ रुपये के निवेश से एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) इकाई लगाने के लिए ताइवान सरफेस माउंटिंग टेक्नोलॉजी (टीएसएमटी) के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस निवेश से करीब 1,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

सीबीआई ने जय कारपोरेशन एवं उसके निदेशक पर एफआईआर दर्ज की

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जय कॉरपोरेशन की जांच करते हुए वर्ष 2006-08 के दौरान एक कथित दुरुपयोग का पता लगाया है। उन्होंने जय कॉरपोरेशन और इसके निदेशक आनंद जयकुमार जैन के खिलाफ 2,434 करोड़ रुपए के एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पीछे की कहानी वह है जब कर्मचारी शोएब रिची सेक्केरिया ने शिकायत की थी कि देश में रियल एस्टेट कारोबार के उद्देश्य से जनता से धन जुटाया गया था। सेक्केरिया के अनुसार इस जुटाए गए धन का दुरुपयोग करके कंपनी ने कम्पनियों की स्थापना की, तेल कम्पनी के वायदे और विकल्पों में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियां की। सीबीआई ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश पर इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित किया है। इस मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सीबीआई ने इसे गंभीरता से लेने का निर्णय लिया है और जल्द ही जाँच की पूर्णता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। सीबीआई ने भी सावधानी बरतने की अपील की है और यह साफ कर दिया है कि किसी भी अवैध गतिविधि को नहीं छोड़ा जाएगा।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशक सहमे, सेबी के नये नियमों का असर

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में हाल ही में गिरावट की वजह से निवेशक बहुत सहमे हुए हैं। इस गिरावट के चलते शेयर बाजार में तेजी कम हो गई है। जनवरी और फरवरी महीने में कैश और डेरिवेटिव्स उभरते शेगमेंट में पिछले साल की तुलना में 25 फीसदी तक की गिरावट आई है। इसके मुख्य कारणों में से एक है बाजार का धीमा प्रदर्शन और दूसरा है सेबी के नए नियम। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार एफएंडओ सेगमेंट में कॉन्ट्रैक्ट साइज बढ़ने से छोटे निवेशकों की डैली ट्रेडिंग कम हो गई है जबकि बड़े निवेशकों के लिए एक्सपायरी के दिन मार्जिन में भारी बढ़ोतरी ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सेबी ने डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग के लिए नए नियम बनाने का विचार किया जा रहा है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक ये नए नियम ट्रेडिंग वॉल्यूम पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे। रिपोर्ट में इस आंकड़े का खुलासा किया गया है कि रिटेल निवेशकों के लिए एफएंडओ के ज्यादातर नियम लागू हो चुके हैं, जिससे रिटेल प्रीमियम टर्नओवर और सक्रिय रिटेल ट्रेडर्स में लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट दरअसल संकेत कर रही है कि वॉल्यूम में गिरावट पहले से ही दिख रही है और इसके दूसरे प्रभाव अगले 6-12 महीनों में ज्ञात होंगे। इसके बावजूद, नियमों को और सख्त करने की संभावना कम है। कैश मार्केट में भी सुस्ती छाई हुई है और रिटेल वॉल्यूम, एक्टिव ट्रेडर्स और मार्जिन लोन में गिरावट दिख रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंदसेंसेक्स 610 अंक, निफ्टी 207 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के मेक्सिको और कनाडा के खिलाफ ऑटोमोबाइल पर लगाये टैरिफ को एक महीने के लिए टालने से भी दुनिया भर के बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसका घरेलू बाजार पर भी अच्छा प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सुबह बढ़त के साथ ही 74,308 पर खुला , पर इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी पर अंत में सेंसेक्स 609.86 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 74,340.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तेजी के साथ ही 22,476 पर खुला। अंत में निफ्टी 207.40 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी उछलकर 22,544.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट 5 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एचसीएल टेक के शेयर भी ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शयर 2 फीससदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा कोटक बैंक, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एसबीआई के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

बाजा में ये तेजी अमेरिकी सरकार के मेक्सिको और कनाडा के ऑटोमोबाइल पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के अलावा मांग में कमी और चीन के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई। इससे एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जोरदार तेजी रही। लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार के कारण हेवीवेट बैंकिंग और उपभोग स्टॉक्स में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

निवेशकों को दो दिनों में 12 लाख करोड़ रुपये का लाभ

बाजार में बुधवार और गुरुवार को आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति करीब 12 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर 397,12,330 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि पहले ये 385,59,355 करोड़ रुपये था। इस तरह से निवेशकों की संपत्ति पिछले दो कारोबारी सत्र में 11,52,975 करोड़ रुपये बढ़ी। वहीं गत दिवस बुधवार को भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

अडानी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी, 10.59 फीसदी का आया उछाल

मुंबई ।

अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को तूफानी तेजी आई। पोर्ट्स से लेकर एनर्जी तक कारोबार करने वाले कारोबारी समूह के सभी शेयरों में उछाल देखने को मिला। इस तेजी का नेतृत्व अडानी ग्रीन एनर्जी की ओर से किया गया। अडानी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी का शेयर 81.40 रुपए या 10.59 फीसदी बढ़त के साथ 849.95 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबार में अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर ने 857.90 रुपए के उच्चतम स्तर और 769 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 60.35 रुपए या 9.33 फीसदी की तेजी के साथ 707 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबारी सत्र में शेयर ने 731.50 रुपए के उच्चतम स्तर और 646 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ। अडानी टोटल गैस का शेयर 35.05 रुपए या 6.41 फीसदी की बढ़त के साथ 582.20 पर बंद हुआ। दिन में शेयर ने 600 रुपए का उच्चतम स्तर और 544.35 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया। इसके अलावा अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 97.20 रुपए या 4.53 फीसदी चढ़कर 2,242 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, अडानी पोर्ट्स का शेयर 54.50 रुपए या 5.15 फीसदी बढ़कर 1,112.45 रुपए और अडानी पावर का शेयर 19.10 रुपए या 3.95 फीसदी की तेजी के साथ 502.35 रुपए पर बंद हुआ।

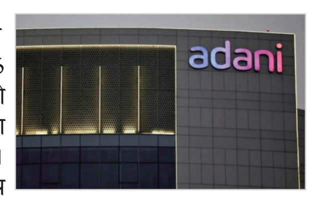

ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 14.60 रुपए या 3.07 फीसदी से बढ़कर 489.60 रुपए पर बंद हुआ। 10 कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद भारतीय बाजार भी बुधवार को हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 740 अंक या 1.01 फीसदी की तेजी के साथ 73,730 और निफ्टी 254 अंक या 1.15 फीसदी की बढ़त के साथ 22,337 पर था। बाजार में तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप 9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 393 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो मंगलवार को 384 लाख करोड़ रुपए था।

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में संपत्ति घटी, लेकिन हिस्सेदारी बढ़ी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) की भारी बिकवाली से एफआईआईएस की भारतीय बाजार में कुल संपत्ति फरवरी 2025 में 13 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एफआईआईएस की कुल एयूसी फरवरी में घटकर 62.38 लाख करोड़ रुपए रह गई, जो जनवरी 2024 के बाद का सबसे कम स्तर है। यह सितंबर 2024 में बने 77.96 लाख करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर से 15.58 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट को दर्शाता है। हालांकि, भारी बिकवाली के बावजूद, फरवरी में एफआईआईएस की भारतीय शेयर बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर 16.24 फीसदी हो गई, जो पिछले पांच महीनों में सबसे ज्यादा है। जनवरी में यह आंकड़ा 15.98 फीसदी था, जो आखिरी बार सितंबर 2024 में देखने को मिला था। भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी संस्थागत निवेशकोंकी भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जनवरी 2025 में एफआईआईएस ने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि फरवरी 2025 में यह आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपए रहा।

स्पेन में 2025 मोबाइल विश्व कांग्रेस में एक ड्रोन को ड्यूटसे टेलीकोम स्टेंड में प्रदर्शित किया गया। इस मोबाइल विश्व कांग्रेस में कारोबारी जगत के दिग्गजों के अलाव नीति निर्धारक और नई तकनीक तलाशने वाले एक साथ नजर आते हैं।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सत्र में चीनी उत्पादन में 20 फीसदी की गिरावट

- चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का हो चुका उत्पादन

मुंबई ।

महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट के कारण गन्ना पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है जो पिछले सीजन से करीब 20 फीसदी कम है। गन्ने की कमजोर फसल, चीनी रिकवरी दर में गिरावट और एथेनॉल की तरफ झुकाव से राज्य के चीनी उत्पादन में भारी गिरावट होते दिख रही है। महाराष्ट्र चीनी आयुक्तालय के अनुसार, तीन मार्च तक महाराष्ट्र में चालू 2024-25 सीजन के लिए चीनी उत्पादन 761.19 लाख क्विंटल (लगभग 76.11 लाख टन) हुआ है। इसके बावजूद गन्ने की कमी के कारण राज्य की 92 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है जो पिछले सीजन की तुलना में दोगुना है। वर्तमान में 108 मिलें गन्ना पेराई कार्यों में लगी हुई हैं, जबकि राज्य में 92 चीनी मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। राज्य की कुल चीनी रिकवरी दर 9.37 फीसदी है, जो पिछले सीजन की तुलना में कम है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कम पैदावार और बढ़ी हुई पेराई क्षमता के कारण मिलों ने इस सीजन में परिचालन जल्दी बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन कम होने का असर देश के कुल उत्पादन पर पड़ने वाला है और 2024-25 सीजन में चीनी उत्पादन में 15 फीसदी की गिरावट की आशंका है। भारत में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की खपत होती है, जिससे देश में गन्ने की कोई कमी नहीं रहने वाली है।

देश में 2014 से 2024 तक 17.1 करोड़ रोजगार अवसर पैदा हुए: मांडविया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2014 से 2024 के दशक में देश के भीतर 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित हुईं जिनमें से 4.6 करोड़ रोजगार अकेले पिछले साल ही सृजित हुए। मांडविया ने बजट पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह 2017-18 के छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में महिला रोजगार 22 प्रतिशत से खासा बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया। श्रम मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की प्रगतिशील नीतियों को देते हुए कहा कि इससे देश का कार्यबल मजबूत हुआ है। मांडविया ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 का हवाला देते हुए सरकार की सामाजिक सुरक्षा पहल के प्रभाव का जिक्र किया। इसमें कहा गया है कि भारत का सामाजिक सुरक्षा 'कवरेज' 24.4 प्रतिशत से दोगुना होकर 48.8 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का विस्तार, 30.67 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को कवर करना और पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) के तहत अस्थायी (गिग) श्रमिकों को शामिल करना, कार्यबल कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बताता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के तहत 12 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को भी एकीकृत किया है और यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

टेस्ला इंक मुंबई में खोलेगा पहला शोरूम

- 35 लाख होगा ऑ फिस का मंथली किराया

मुंबई ।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने भारत में अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में लीज पर लिया है। इस डील के अनुसार, 881 प्रति वर्ग फुट के रिकॉर्ड किराये पर लीज हुआ, जिसे अब तक का सबसे महंगा माना जा रहा है। टेस्ला ने 2.11 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करवाया है और हर महीने 35.26 लाख रुपए किराया देना होगा, जिसमें सालाना 5 फीसदी बढ़ोतरी होगी। इस लीज एग्रीमेंट में 5 साल का दीर्घकालिक कार्यकाल भी है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए, टेस्ला भारतीय बाज़ार में एंट्री करने की योजना बना रहा है। ईस्टर्न हरायाणा स्थित गाँधीधाम मंदिर में नवद्वारका वंदना यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस यात्रा में कन्या दान एवं रिवल्वर के नरमुंदी नामक कार्यालय के भवन एवं समाजशास्त्र परिषद स्थित लुदियाना के प्रदेश सभा के भवन की तीन ओर वातावरण से एकदम तत्काल निर्माण के न्यायाधीश या जुन नापलियाल के स्थानीय प्रतिनिधि होंगे। यह अभियान की प्रारंभिक रात्रि जारी है। अभियान के अंतिम चरण में 108 नवद्वारका वंदना मेला 10 मार्च को वंदना गांधीधाम आएगा।

भारत और न्यूजीलैंड मैच में बारिश हो गई तो कौन होगा विजेता? जानें आईसीसी के नए रूल

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड में दुबई के मैदान पर 9 मार्च को निश्चित है। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड को हरा चुकी है। लेकिन न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट में जिस तरह प्रदर्शन किया है उससे फाइनल और भी रोमांचक हो गया है। न्यूजीलैंड ने बीते दिन ही चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन क्या हो अगर फाइनल का दिन बारिश की भेंट चढ़ जाए तो। अगर बारिश से मैच प्रभावित हुआ तो आईसीसी का नियम क्या होगा। आइए जानते हैं-

क्रिकेट मैच में बारिश का आना स्वभाविक है। लेकिन यह बड़े मुकाबले धो दे। ऐसा बहुत कम हुआ है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विशेष नियमों का ध्यान रखा है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी एक दिन रिजर्व रखा है। यदि 9 मार्च की निर्धारित तिथि पर बारिश के कारण खेल बाधित होता है, तो मैच अगले दिन फिर से शुरू किया जाएगा।

वैसे भी अगर वेदर रिपोर्ट देखी जाए तो 9 मार्च को दुबई में हलके बादल छाए रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान 32 तो न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

क्रिकेट फैंस को याद है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2002 का फाइनल मुकाबला दो बार बारिश के कारण प्रभावित रहा था। उक्त मुकाबला भारत और श्रीलंका की टीमों के बीच खेला गया था। उस समय रिजर्व डे का इतना प्रचलन नहीं था लेकिन जब फाइनल में रिजर्व डे लेकर मैच करवाया गया तो उस दिन इंद्र देवता को आईसीसी मना नहीं सकी। लगातार दूसरे दिन बारिश हुई जिससे फाइनल पूरा नहीं करवाया जा सका।

पहले दिन श्रीलंका ने खेलते हुए 50 ओवरों में 5 विकेट खोकर 244 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने जब 2 ओवरों में बिना विकेट गंवाए 14 रन बना लिए थे तो बारिश आ गई। क्योंकि 15 ओवर पूरे नहीं हो पाए थे इसलिए मैच का नतीजा नहीं निकला।

दूसरे दिन दोबारा फाइनल मुकाबला करवाया गया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की ओर 7 विकेट पर 222 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी टीम इंडिया ने 84 ओवर में जब 1 विकेट खोकर 38 रन बना लिए थे तो फिर से बारिश आ गई। इसके बाद मैच शुरू नहीं हो पाया। आईसीसी ने इसके बाद दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया। ऐसा आईसीसी के इतिहास में पहली बार हुआ था।

शुभमन बने एमआरएफ के ब्रांड एंबेसडर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब दिग्गज कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुभमन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। ऐसे में वह भी एमआरएफ के स्टीकर लगे बल्ले से खेलते नजर आयेंगे। एमआरएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि शुभमन गिल अब एमआरएफ ब्रांड से जुड़ने वाले विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेटरों में शामिल हो गये हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में भी मान्यता मिली है। एमआरएफ ने कहा कि वह लंबे समय से क्रिकेट के विकास से जुड़ा रहा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। शुभमन की यह भागीदारी विराट के साथ कंपनी के पहले से जारी सहयोग के अतिरिक्त होगी। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. एम. मैमन ने कहा, ''हम शुभमन गिल को एमआरएफ परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका खेल प्रभावशाली है और वह जिस तरह क्रिकेट के सभी प्रारूपों में नेतृत्व कौशल दिखाते हैं, वह प्रेरणादायक है। उनकी इस लोकप्रियता का लाभ एमआरएफ को भी मिलेगा। वहीं शुभमन ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, ''एमआरएफ क्रिकेट में गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। मैं भी उन क्रिकेटरों को देखकर बड़ा हुआ हूं जो एमआरएफ के बल्ले से जादू बिखेरते थे। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं इस साझेदारी के तहत ऐसी पारियां खेलना खेलने के प्रयास करुंगा जिससे भारतीय टीम शीर्ष पर बना रहे।।

बुमराह के नहीं होने से मुझपर है अधिक जिम्मेदारी : शमी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शमी ने माना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में उनपर अधिक जिम्मेदारी है। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय कायम रखने ओर फिटनेस बनाये रखना रहा है। चोट से उबरकर वापसी कर रहे शमी ने बुमराह की गैर मौजूदगी में नये तेज गेंदबाजी हर्षित राणा और ऑलरांउडडर हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं।

उन्होंने फाइनल में पहुंचने पर कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है ऐसे में अपना सौ फीसदी से से ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट के लिए मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ फीसदी से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं।

गौरतलब है कि शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है।

शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण ने लंबी छलांग लगायी, रोहित पिछड़े

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 खिलाड़ियों में पहुंच गये हैं। वरुण को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है और उन्होंने लंबी छलांग लगाते हुए 143 गेंदबाजों को पीछे छोड़ा है, वरुण के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण बल्लेबाजी रैंकिंग में पिछड़े हैं। वरुण 143 पायदान की छलांग लगाकर अब 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वरुण ने चैम्पियस ट्रॉफी 2025 में अब तक 2 मैच खेले, जिसमें 7 विकेट लिए हैं। इन 7 विकेटों में से 5 विकेट एक ही मैच में लिए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में यह 5 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 2 विकेट हासिल किए थे।दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली को एक पायदान का फायदा हुआ है और वो चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 2 पायदान नीचे आकर पांचवें नंबर पर फिसल गए हैं। विराट इस ने चैम्पियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 72.33 के दमदार औसत से 217 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाये थे।

रोहित की फॉर्म अच्छी नहीं रही है। उन्होंने अब तक 4 मैच खेले, जिसमें 26 के बेहद खराब औसत से 104 रन बनाए। शीर्ष -10 बल्लेबाजों में शुभमन, कोहली और रोहित के अलावा श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। श्रेयस एक पायदान ऊपर आकर 8वें नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर ऑलराउंडरों की बात करें तो शीर्ष दस में केवल भारत के रविन्द्र जडेजा है। जडेजा को नौवां स्थान मिला है। वहीं भारतीय टीम के अक्षर 17 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड दौरे पर आकिब ही रहेंगे मुख्य कोच : पीसीबी

लाहौर ।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसबी) ने पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को न्यूजीलैंड दौरे के लिए अंतरिम मुख्य कोच बनाया है। वहीं पूर्व कप्तान मोहम्मद युसूफ को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। पाक टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे में सीमित ओवरों की एक सीरीज खेलेगी। इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड दौरे के बीच समय कम होने के कारण आकिब को ही मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं , 'पीसीबी ने इस बीच नये मुख्य कोच को तलाशने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पिछले साल पीसीबी ने जैसन गिलेस्पी को टेस्ट और गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों के प्रारूप में कोच बनाया था पर दोनों के साथ ही बोर्ड अधिकारियों के मतभेद हो गये थे। ऐसे में इन दोनो ने ही पद छोड़ दिया था। उसके बाद से ही पाक टीम के पास कोई पूर्ण कालिक कोच नहीं है। इसी कारण आकिब को सफेद गेंद की टीम का अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीजो में वह टेस्ट टीम के भी मुख्य कोच भी रहे। वह तीन देशों की सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी में भी टीम के कोच थे पर सभी में पाक को हार का सामना करना पड़ा।

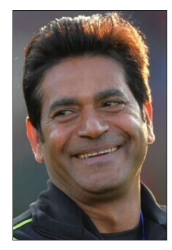

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबल होना तय

दुबई ।आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम ने अपने सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ।वहीं न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका का हराया है। रविवार को अब रोमांचक मुकाबले के आसार हैं क्योंकि भारतीय टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में न्यूजीलैंड को हराया था जिससे उसका पलड़ा भारी है। इस मैच में कीवी टीम के बल्लेबाजों के लिए भारतीय स्पिनरों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में हार से एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना टूट गया है। इस साफ है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम दबाव के सामने बिखर जाती है। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है।

मिलर चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

लाहौर ।दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी आक्रामक शतकीय पारी से एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। मिलर ने इस मुकाबले में 67 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। इसी के साथ ही वह चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले सबसे तेज शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम था। सहवाग ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 77 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वही इंग्लैंड के जोश इंग्लिश ने भी इसी बार 77 गेंदों में शतक लगाया। इसके अलावा 80 गेंदों में शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है। धवन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2013 में शतक लगाया था। आईसीसी नॉकआउट में मिलर का पहले से प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साल 2013 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 56 रन बनाए थे। इसके बाद 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 रन बनाये। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे।

लक्ष्य का पीछा करने में विराट का जवाब नहीं : क्लार्क

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्कने कहा कि लक्ष्य का पीछा करने में विराट सबसे बेहतर बल्लेबाज हैं। क्लार्क ने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम सेमीफाइनल में जीत दिलायी। उससे ये बात फिर साबित होती है। क्लार्क ने विराट को अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया। कोहली आईसीसी नॉकआउट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए क्रीज पर उतरे पर उन्होंने अपने बेहतरीन स्ट्रोक प्ले और स्ट्राइक रोटेशन के जरिये आसानी से टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

क्लार्क ने कहा, एक बार फिर, उन्होंने हालातों का शानदार तरीके से आंकलन किया। उन्हें पता था कि उनकी टीम को क्या चाहिए और किस प्रकार मैच अपने नियंत्रण में लेना। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार शतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बल्लेबाज के पास हर शॉट है और वह किसी भी गेंद को सीमा रेखा से बाहर कर सकते हैं। मेरी राय में, वह अब तक के सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर हैं, और वह सबसे बड़े मंच पर, सबसे ज्यादा दबाव में भी इसे साबित करते रहते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है, और जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने श्रेयस अय्यर की भी तारीफ की।उन्होंने कहा, तब भारतीय टीम को एक साझेदारी की आवश्यकता थी क्योंकि दुबई की स्पिन-अनुकूल पिचों पर और अधिक विकेट गिरने से टीम ढ़ह सकती थी। ऐसे में अय्यर एक छोर पर कोहली के साथ टिके रहे।।

उन्होंने कहा, श्रेयस ने वाकई बहुत अच्छा खेला। उनके पास आक्रामक दृष्टिकोण और शानदार इरादे हैं और वे हमेशा अपने शॉट्स खेलने की कोशिश करते हैं, जिससे उनके बल्लेबाजी साथी पर से दबाव कम हो जाता है। वे और विराट एक दूसरे के पूरक बनकर उभरे हैं। विराट के अनुभव के कारण वे जरूरत पड़ने पर श्रेयस का मार्गदर्शन कर सकते हैं और उन्हें संयमित रख सकते हैं। उनकी साझेदारी मैच जीतने वाली थी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी फ्रेड स्टोल का निधन

मेलबर्न ।दो बार के ग्रैंड स्लैम एकल विजेता और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार डेविस कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे फ्रेड स्टोल का निधन हो गया है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी।वह 86 वर्ष के थे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टिली ने स्टोल को टेनिस में एक खिलाड़ी के रूप में और बाद में ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क तथा सीबीएस और फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए एक कमेंटेटर के रूप में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया। टिली ने निधन का कारण नहीं बताया। टिली ने कहा, 'उनकी विरासत उत्कृष्टता, समर्पण और टेनिस के प्रति गहरा प्रेम है। ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम के स्टार सदस्य, फ्रेड ने एक कोच और चतुर टिप्पणीकार के रूप में अपने शानदार करियर से खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया।' स्टोल ने 1965 में फ्रेंच ओपन और 1966 में अमेरिकी ओपन का एकल खिताब जीता था। इसके बाद वह विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए थे। उन्होंने ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में 10 पुरुष युगल और सात मिश्रित युगल भी जीते।

ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात, फाइनल एक नया दिन होगा: डेरिल मिशेल

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने कहा कि ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात है और फाइनल एक नया दिन होगा। न्यूजीलैंड ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान को 50 रन से हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला रविवार 9 मार्च 2025 को भारत से होगा।

उन्होंने कहा, 'फाइनल एक नया मैच होगा और हम वास्तव में इस चुनौती का सामना करने और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने को लेकर उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम उन पर दबाव बनाने में सफल रहेंगे।% मिशेल इस बहस में नहीं पड़ना चाहते हैं कि भारत को एक ही स्थान पर खेलने का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'यही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रकृति है। हमने काफी यात्रा की है और हम इसके आदी हो चुके हैं। टूर्नामेंट का कार्यक्रम तैयार करना मेरा काम नहीं है। मैं अभी आईसीसी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने पर रोमांचित हूं और अगला मैच खेलने के लिए उत्साहित हूं।' गौर हो कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में दक्षिण अफ्रीका की बुरी किस्मत अभी भी जारी है। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की टीम चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में नहीं पहुंच पाई। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी टीम को 50 रनों से झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए रचिन रविंद्र (108) और केन विलियमसन (102) के शतक की बदौलत 362 रन बनाए थे। द. अफ्रीकी गेंदबाज लुंगी एनगिडी को 3 तो कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका को बावुमा और रासी वेन दूसें ने अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरूआत दी लेकिन मध्यक्रम बिखर जाने के कारण पूरी टीम 9 विकेट पर 312 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए एक आकर्षण डेविड मिलर की पारी रही। उन्होंने 100 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर ने संन्यास लिया

ढ़ाका ।बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खराब प्रदर्शन के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। मुशफिकुर ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर की है। मुशफिकुर ने बांग्लादेश की टीम के सालाना अनुबंधों की घोषणा के ठीक बाद ही खेल को अलविदा कह दिया। इसी के साथ ही उनका दो दशक का करियर समाप्त हो गया। इस क्रिकेटर ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं आज से एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। साथ ही लिखा कि भले ही वैश्विक स्तर पर हमारी उपलब्धियां सीमित रही पर एक बात तो तय है- जब भी मैं अपने देश के लिए मैदान पर उतरा, मैंने समर्पण और पूरी ईमानदारी के साथ अपन पूरा योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में मुशफिकुर के अलावा पूरी टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं और मुझे एहसास हो गया है कि यही मेरी नियति है। मुशफिकुर ने साल 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना एकदिवसीय प्रारुप में डेब्यू किया था। अब वह इस प्रारूप में सबसे अधिक मैच खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने 274 मैचों में 36.42 की औसत से 7,795 रन बनाए हैं, जिसमें 144 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसक अलावा उनके नाम नौ शतक भी हैं। उन्होंने 243 कैच लिए और 56 स्टंपिंग भी की हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली हार से तीन कप्तानों पर गाज गिरी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट में इस बार टीम की हार के कारण एक नहीं तीन-तीन कप्तानों का करियर खराब हो गया। सबसे पहले इसमें मेजबान टीम पाकिस्तान का आता है। भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उसके कप्तान मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर कर दिया गया। पाक टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा और वह एक मैच भी नहीं जीत पायी। वहीं दूसरी गाज इंग्लैड के कप्तान जोस बटलर पर गिरी। बटलर को भी टीम के खराब प्रदर्शन के कारण पद गंवाना पड़ा। इंग्लैड टीम का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में खराब रहा। वहीं तीसरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को तो एकदिवसीय प्रारुप से ही संन्यास लेना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारतीय टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रिजवान से इस कदर नाराज हुआ कि टी20 टीम से ही बाहर कर दिया। उनकी जगह न्यूजीलैड दौरे पर टी20 का कप्तान सलमान आगा को बनाया गया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के दौरे पर आई इंग्लैंड की टीम को एकदिवीसय सीरीज में सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद टीम की तरफ से बयान में कहा गया था कि वो भारत में हार से दुखी नहीं क्योंकि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हराना चाहते हैं पर वहां भी जब टीम की हालत खराब रही और उसे अफगानिस्तान की टीम से भी हार मिल तो बटलर की के पास पद छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। इसी प्रकार की स्थिति ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ की रही। वह सेमीफाइनल में मिली हार से बेहद निराश देखे और उन्होंने संन्यास का ही ऐलान करना ठीक समझा।

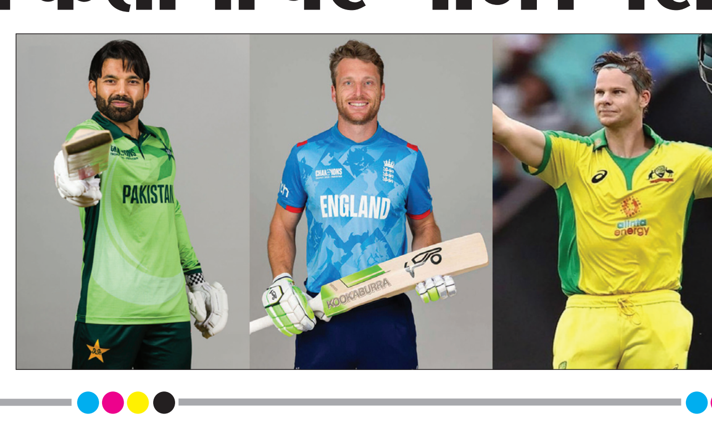

थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्द/स्रुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्द/स्रुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में...

भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्स- नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशन- नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुण- नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा

डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी)

अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन द्बद्ब (एंग II) – एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण

%ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन

किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और मांसिक स्वास्थ के लिए एक रिस्क फैक्टर्स माना जाता है. हालांकि, परिधीय और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के बीच बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने वाले

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व सीएम केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा जारी रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा समीक्षा के बाद यह फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर खतरे के आकलन के बाद आगे भी समीक्षा की जाएगी। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और दिल्ली पुलिस द्वारा सुरक्षा स्थिति की निगरानी की जाएगी, और आवश्यकतानुसार मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल को जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन वह कानूनी रूप से अन्य राज्यों की सुरक्षा नहीं ले सकते। यदि कोई अन्य राज्य का वीवीआईपी दिल्ली आता है और उसे सुरक्षा दी जाती है, तो वह अधिकतम 72 घंटे तक ही वैध होगी। इसके लिए भी दिल्ली पुलिस को पूर्व सूचना देना अनिवार्य है, अन्यथा यह कानून का उल्लंघन माना जाएगा। गृह मंत्रालय के इस फैसले से साफ है कि अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

जम्मू में आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। रामबन पुलिस ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत आतंकवादियों के ओवर ग्राउंड वर्कर मंजूर अहमद को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि मंजूर अहमद गूल व इसके आसपास के क्षेत्रों में राष्ट्र और समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है। मंजूर अहमद लंबे समय से फरार था और गिरफ्तारी से बच रहा था। ऐसे में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। स्पेशल टीम ने कामयाबी हासिल करते हुए मंजूर अहमद को गिरफ्तार कर लिया।

नालंदा मे युवति की निर्मम हत्या देखकर सन्न रह गए लोग, मानवता हुई शर्मसार

बिहार शरीफ (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार को सुशासन का राज बताते हैं। लेकिन जिस तरह से युवति की निर्मम तरीके से हत्या की गई है। उसको देखने के बाद लोग सन्न रह गए हैं। मानवता शर्मसार हो गई है। ऐसे निर्मम तरीके से किसी की हत्या कोई मानव कर सकता है। बुधवार की सुबह नालंदा के बिहार शरीफ स्थित बहादुरपुर गांव में एक युवति का शब मिला है। युवती के पूरे शरीर में मारने पीटने के निशान और घाव बने हुए हैं। लड़की के दोनों पैरों पर 9 कीलें ठोकी गई हैं। युवती की उम्र 24 वर्ष की बताई जा रही है। अभी उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। जहां शव मिला है,वहां पर खून के कोई निशान देखने को नहीं मिले हैं। जिसके कारण यह माना जा रहा है। हत्या और प्रताड़ना के बाद युवति का शव लाकर यहां फेंक दिया गया है। प्रारंभिक अवस्था में लाश को देखने के बाद लग रहा है, युवती गर्भवती है।

संभल हिंसा के एक आरोपी का फोटो वाला पोस्टर पुलिस ने सार्वजानिक स्थानों पर लगवाया

संभल (एजेंसी)। जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद उत्तरप्रदेश पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपितों की तलाश जारी है। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपित का फोटो दिखाई दे रहा है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। इसके बाद अब पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपित की पहचान कराने को आरोपी का फोटो वाला पोस्टर सार्वजनिक स्थान पर चस्पा कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पुलिस ने अब तक करीब 76 आरोपितों की पहचान कर जेल भेज दिया है। बवाल के बाद एकत्र की गई सीसीटीवी की इन्हीं फुटेज में पुलिस को एक फुटेज ऐसी मिली है, जिसमें एक युवक भीड़ में शामिल लोगों को अपनी ओर आने का इशारा कर रहा है। पुलिस उस आरोपित की पहचान कराने में लगी रही, लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी आरोपित की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे आरोपित युवक के फोटो वाले पोस्टर छपवाकर नगर में सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा करवाए हैं, जिससे उनकी पहचान और उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके। पुलिस की ओर से चिपकवाए गए पोस्टर में सूचना देने वाले की पहचान को गुप्त रखने व इनाम देने की घोषणा भी की है।

रील बनाने के चक्कर में नहर में गिरी कार, सवार तीन युवकों को तलाश रही पुलिस

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद के फतेहवाड़ी नहर में एक स्कॉर्पियो कार जा गिरी। गुरुवार को कार जब नहर में गिरी तब उसके अंदर तीन युवक मौजूद थे। बताया जा रहा है कि, रील बनाने के चक्कर में स्कॉर्पियो कार बेकाबू होकर नहर में जा गिरी।

स्कॉर्पियो जैसे ही कैनाल में गिरी उसके तुरंत बाद वहां मौजूद दूसरे दोस्तों ने रस्सी डालकर तीनों युवकों को बचाने की कोशिश की वे लेकिन असफल रहे। जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हुए। इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। रेस्क्यू के लिए पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के द्वारा स्कॉर्पियो गाड़ी को बाहर निकालकर गाड़ी में मौजूद तीनों युवकों की तलाश शुरू की गई है। पुलिस जानकारी के मुताबिक स्कोर्पियो कार 4 घंटे के लिए 3500 रुपए चुकाकर रील बनाने के लिए हृदय, ध्रुव और ऋतायु ने किराए पर ली हुई थी। स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर जब तीनों वासना बैरेज पहुंचे तब वहां पहले से ही उनके 4 दोस्त विराज सिंह, यक्ष, यश और क्रिश वहीं मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक, यक्ष ने स्कॉर्पियो गाड़ी चलाकर थोड़ी दूर जाने के बाद अपने दोस्त यश सोलंकी को चलाने के लिए दी थी। इस दौरान गाड़ी में क्रिश भी साथ में मौजूद था। स्कॉर्पियो रील बनाने के लिए ली गई थी, तब रील बनाने का काम भी जारी था। लेकिन गाड़ी अचानक बेकाबू होकर नहर में जा गिरती है। इसके बाद वहीं मौजूद तीनों युवकों के दोस्त विराजसिंह राठौड़ ने रस्सी की मदद से अपने दोस्तों को बचाने की कोशिश की लेकिन तीनों में से एक भी दोस्त रस्सी पकड़ नहीं पाए और पानी के तेज बहाव में बह गए।

पीएम मोदी और राहुल गांधी का गुजरात दौरा... गर्माएगी सियासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां एक बार फिर गुजरात दौरे पर जा रहे हैं, तो वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी और राहुल का यह दो दिवसीय दौरा गुजरात की राजनीति को गरमाने के लिए काफी होगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 8 मार्च को राज्य के सूरत और नवसारी जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने गुजरात पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात करेंगे और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। एक तरह से पार्टी के लिए चुनावी प्लेटफार्म तैयार करने पीएम मोदी एक बार फिर गुजरात दौरे पर पहुंच रहे हैं। यहीं

प्रधानमंत्री मोदी 7 मार्च को सूरत के लिंबायत इलाके के नीलगिरी ग्राउंड में एक भव्य जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के तहत वृद्ध लाभार्थियों को विशेष किट वितरित करेंगे। इसके बाद वे सूरत के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम कर अगले दिन, 8 मार्च को नवसारी जाएंगे। यहां पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में पीएम मोदी शामिल

होंगे। नवसारी में भी वे एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। गौरतलब है कि इससे पहले, 1 मार्च को पीएम मोदी तीन दिवसीय निजी दौरे पर गुजरात पहुंचे थे, जहां उन्होंने सौराष्ट्र के विभिन्न जिलों का दौरा किया था। उन्होंने जामनगर, गिर और जूनागढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और सोमनाथ मंदिर के दर्शन भी किए थे।

चुनावी रणनीति पर चर्चा करने पहुंच रहे राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 7 और 8 मार्च को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा आगामी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के लिए हो रहा है। वे पार्टी संगठन को पुनर्गठित करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देने वाले हैं। इसके अलावा, वे कांग्रेस के प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे। जानकारी अनुसार कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले राहुल गांधी का यह दौरा पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है इससे रणनीति में बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही है।

अब चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 मार्च को गुजरात के सूरत और नवसारी जिलों के दौरे पर रहेंगे वहीं राहुल गांधी भी दो दिवसीय दौरे पर गुजरात में रहेंगे तो ऐसे में राज्य की राजनीति गर्माने की पूरी उम्मीद है। इन दौरों को देखते हुए पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ता अपना पूरा जोश दिखाते दिखें तो हैरानी की बात नहीं होगी। यही वजह है कि गुजरात में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी, दोनों ही आगामी चुनावों को लेकर अपनी रणनीति को धार देने में जुट गई हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद : छावा की स्क्रीनिंग से दूर रहना शिंदे की गलती तो नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में किसी न किसी बहाने राजनीति की हवा गरम होते देर नहीं लगती है। हाल ही में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के मंत्रियों और विधायकों ने रायगढ़ के गार्जियन मंत्री पद को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड फिल्म छावा की स्क्रीनिंग में भाग नहीं लिया। यह स्क्रीनिंग अजीत पवार गुट की एनसीपी विधायक और फडणवीस सरकार में मंत्री अदिति तटकरे द्वारा आयोजित की गई थी। इस आयोजन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और अन्य प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जबकि शिवसेना की ओर से केवल राज्य मंत्री आशीष जैस्वाल ही उपस्थित थे। शिंदे का इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होना इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि यह पार्टी का जानबूझकर किया गया बहिष्कार हो सकता है। रायगढ़ गार्जियन मंत्री पद शिवसेना और एनसीपी के बीच एक बड़ा विवाद बन चुका है। शिवसेना इस पद पर अपना अधिकार जमाने के लिए लगातार दबाव बना रही है, जबकि एनसीपी इस पद से अपनी दावेदारी छोड़ने को तैयार नहीं है। शिंदे गुट के भारत गोगावले ने इस पद पर अपनी दावेदारी की है, जबकि महिला और बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे इस पद पर दावा करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले भी दोनों पार्टियों के बीच तनाव देखा गया था, जब शिवसेना के मंत्रियों ने अजीत पवार द्वारा आयोजित रायगढ़ योजना बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। इस बैठक में तटकरे भी मौजूद थीं, जिससे दोनों पार्टियों के बीच के गहरे मतभेद और बढ़े। रायगढ़ जिले में फिलहाल शिवसेना का दबदबा देखा जाता है, जहां शिंदे गुट के तीन विधायक थोरवे, दलवी और गोगावले (महाड) हैं, जबकि एनसीपी की ओर से तटकरे (श्रिवर्धन) विधायक हैं।

अभी से तैयारी में जुटे कांग्रेस, वरना बिहार में होगा महाराष्ट्र, हरियाणा जैसा हाल

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने किया आगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के चुनावों में हमें हार मिली है। इससे सबक लेकर बिहार चुनाव के लिए पहले से ही तैयारी करनी होगी। यदि गठबंधन में गांठ है, तब उस गांठ को समय रहते खत्म करना होगा। कांग्रेस के ही नेता तारिक अनवर ने अपनी पार्टी को यह हिदायत दी है। कांग्रेस नेता अनवर ने कहा कि बिहार चुनाव इसी साल अक्टूबर-नवंबर में है और बिना कोई समय गंवाए कांग्रेस को तैयारी में जुटना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान को आगाह करते हुए कहा कि अब हमारे पास वक्त नहीं है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य अनवर ने कहा कि दूसरे राज्यों की हार से सबक लेकर आरजेडी के साथ गठबंधन की हर गांठ को खत्म कर लेना चाहिए। हमें समय रहते ही समन्वय बैठकें शुरू करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जेडीयू और भाजपा के बीच पहले ही चीजें तय होने लगी हैं। वे चुनाव कैंपेन मोड में भी चले गए हैं। कांग्रेस नेता अनवर ने कहा, 'हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में कांग्रेस की हार के बाद अब बिहार का चुनाव अहम हो गया है। इसका असर बिहार में ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में होता है। यह कांग्रेस और हमारे सहयोगी दलों की जरूरत है कि बिहार में भाजपा और जेडीयू को हरा दिया जाए। इसलिए मेरी अपनी राय है कि हम देरी स्वीकार नहीं कर सकते। यदि कांग्रेस पार्टी देरी करती हैं, तब नुकसान होगा। चुनाव से कुछ सप्ताह या दिन पहले सक्रिय करने से कोई फायदा नहीं है। हमें अभी से बिहार चुनाव की तैयारी शुरू करनी होगी।' अनवर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अलर्ट कर कहा कि लीडरशिप को हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली के नतीजे देखने चाहिए। इन नतीजों से सबक लेकर बिहार की तैयारी की जाए। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी और बिहार इकाई के बीच तुरंत ही समन्वय बनाकर काम शुरू किया जाए।

सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी स्टालिन की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट से राहत

-उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री एम उदयनिधि स्टालिन को फौरी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उदयनिधि के खिलाफ उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि एक ही मुद्दे पर कई शिकायतें दर्ज नहीं हो सकतीं। साथ ही न्यायालय ने मौजूदा प्राथमिकियों की सुनवाई कर रही अदालतों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से स्टालिन को दी गई छूट संबंधी अंतरिम आदेश की अवधि बढ़ा दी। दरअसल एक कार्यक्रम में उदयनिधि स्टालिन ने बयान दिया था कि जिस तरह से कोरोना, मलेरिया, डेंगू को खत्म करते हैं, उसी तरह सनातन धर्म का सिर्फ विरोध नहीं होना चाहिए, बल्कि सनातन धर्म को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ स्टालिन की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने सभी प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने और शिकायतों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। पीठ ने लंबित मामले में दायर उनकी याचिका पर उन राज्यों को नोटिस जारी किए जहां नई प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

स्टालिन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि महाराष्ट्र के अलावा पटना, जम्मू और बेंगलुरु में भी प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। उन्होंने तर्क देकर कहा कि सभी मामलों को तमिलनाडु में स्थानांतरित किया जा सकता है जहां कथित घटना हुई थी। सिंघवी ने कहा कि स्टालिन के खिलाफ बिहार में एक नया मामला दर्ज हुआ है और लंबित याचिका में वहां के शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने के लिए संशोधन याचिका दायर की गई है। वकील सिंघवी ने कहा, नूपुर शर्मा के मामले में शब्दों को बहुत अधिक आक्रामक माना जाता है। न्यायालय ने अन्य सभी मामलों को उस स्थान पर स्थानांतरित किया था जहां पहली बार प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इस मामले में यहीं समाधान है। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि सनातन धर्म को मलेरिया, कोरोना, डेंगू आदि की तरह खत्म किया जाना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं कर रहे... केवल एक ही सवाल है कि क्या इन्हें एक ही स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि केवल इसलिए कि हिंदुओं ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, नेता को ऐसा कहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

कौशांबी से पकड़ा गया खालिस्तानी आंतकी लाजर मसीह, कुंभ में गड़बड़ी फैलाने की तैयारी

कौशांबी (एजेंसी)। यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दोनों टीमों ने संयुक्त अभियान चलाकर कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सक्रिय आतंकवादी को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आतंकी के पास से 3 हैंड ग्रेनेड, 2 डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्तौल और 13 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। इसकी पहचान अमृतसर के कुर्लियान गांव के रहने वाले संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह के रूप में हुई है। गिरफ्तार आतंकी महाकुंभ में गड़बड़ी फैलाने की फिराक में था। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक कुमार ने गिरफ्तार आतंकी को लेकर कई बड़े खुलासे किए। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लाजर लगातार आईएसआई के संपर्क में था। पाकिस्तान में बैठे कुछ हैंडलर आंतकी लाजर लगातार ड्रोन और गोला बारूद और असलहे भेज रहे थे। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लजर प्रयागराज में हुए महाकुंभ में कोई बड़ी आतंकी घटना करना चाहता था। इसके अलावा आतंकी पाकिस्तान से कई विस्फोटक हथियार भी अपने साथ लेकर आया था। महाकुंभ में आतंकी साजिश रचने के बाद लाजर पुर्तगाल भागने की फिराक में था। डीजीपी ने बताया कि महाकुंभ में आतंकी घटना करने के लिए आंतकी लाजर कौशांबी, लखनऊ और कानपुर में रहकर प्लान भी तैयार किया था। पुलिस को जब आतंकी घटना की जानकारी मिली तो सर्च अभियान चलाया। पुलिस की कार्रवाई में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी लाजर मसीह को कौशांबी से गिरफ्तार कर लिया गया।

महानिदेशक (यूपी स्पेशल टास्क फोर्स, कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि आंतकी मसीह कथित तौर पर बीकेआई के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ ??जीवन फौजी से जुड़ा हुआ है और वह पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के सीधे संपर्क में भी था। ऑपरेशन के दौरान यूपी एसटीएफ ने तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड सहित विस्फोटक और अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया। इसके अलावा दो सक्रिय डेटोनेटर। एक विदेशी निर्मित नोरिन्को एम-54 टोकरेव पिस्तौल (7.62 मिमी)। विदेश में बने तेरह कारतूस (7.62×25 मिमी)। सफेद रंग का विस्फोटक पाउडर। गाजियाबाद के पते वाला आधार कार्ड। बिना सिम कार्ड वाला मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

माता-पिता दोनों की अनुमति के बिना नहीं बनेगा नाबालिग का पासपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। माता-पिता दोनों की अनुमति के बिना अब नाबालिग का पासपोर्ट नहीं बनेगा। अगर किसी एकल अभिभावक ने पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन दिया है, तब उन्हें पहले से ज्यादा सूचनाएं और उनकी पुष्टि करने वाले दस्तावेज देना होगा। उन्हें दूसरे अभिभावक की ओर से सहमति न मिलने का कारण भी स्पष्ट करना होगा।

दरअसल विदेश मंत्रालय ने बीते दिनों नाबालिग के आवेदन के साथ लगने वाले अनुलग्नक-सी (माता-पिता की ओर से घोषणा-पत्र) में परिवर्तन किया है। अनुलग्नक-सी में सही जानकारी नहीं देने पर पासपोर्ट के आवेदन पर विचार नहीं होगा। नाबालिग के पासपोर्ट के आवेदन के साथ दोनों अभिभावकों की सहमति दी गई है, तब उन्हें अनुलग्नक-डी और एक अभिभावक की सहमति होने पर अनुलग्नक-सी भरकर देना होता है। इसमें अक्सर आवेदकों की ओर से सही जानकारी नहीं दी जाती थी। इसतरह के कई मामले सामने आए हैं, जिसमें अभिभावकों

के बीच विवाद होने पर पूरी जानकारी नहीं दी गई थी। आवेदन करने वाले अभिभावक की ओर से दूसरे की सहमति न मिलने का कारण उसका विदेश में रहना बताया गया। पूर्व में इसतरह के मामलों में विदेश में रहने के सुबूत दिया जाना अनिवार्य नहीं था।

वहीं, कोर्ट में तलाक का केस चलने पर सिंगल अभिभावक की ओर से आवेदन करने पर उनके लिए यह जानकारी देना अनिवार्य नहीं था कि न्यायालय की ओर से उन्हें बच्चे की कस्टडी दी गई है या नहीं। पासपोर्ट बनवाने के दौरान इसतरह के दस्तावेज जमा करने की अनिवार्यता भी नहीं थी जिसमें कोर्ट के पासपोर्ट जारी करने पर कोई शर्त या प्रतिबंध तो नहीं लगा रखा है।

1.माता या पिता में से कोई एक विदेश में रह रहा है और अनुमति देने में असमर्थ हैं, तब उनके पासपोर्ट और वीजा की कॉपी भी जमा करानी होगी।

2. अगर कोई एक अभिभावक विदेश यात्रा के लिए गया है, तब पासपोर्ट, वीजा के साथ टिकट या बोर्डिंग पास की कॉपी देनी होगी।

3. तलाक होने की स्थिति में सिंगल अभिभावक को आवेदन के साथ कोर्ट से बच्चे की कस्टडी और देखरेख के अधिकार का दस्तावेज देना होगा।

4. तलाक होने या मामला विचाराधीन होने पर अगर कोर्ट ने पासपोर्ट के संबंध में कोई निषेधाज्ञा लागू नहीं की है, तब तलाक याचिका की कॉपी देनी होगी।

5. तलाक हो जाने पर या मामला विचाराधीन होने पर अगर कोर्ट ने पासपोर्ट के संबंध में निषेधाज्ञा लागू की है, तब दोनों अभिभावकों की सहमति या न्यायालय की अनुमति जरूरी होगी।

केरल में निपाह वायरस को लेकर बढ़ी चिंता, सरकार ने शुरु की तैयारी

तिरुवंतनमपुरम (एजेंसी)। केरल में निपाह वायरस को लेकर फिर चिंता बढ़ गई है। केरल राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कोझिकोड, मलप्पुरम, कन्नूर, वायनाड और एर्नाकुलम जिलों को जूनोटिक संक्रमण के हॉटस्पॉट मानकर विशेष सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। चमगादड़ों के प्रजनन के मौसम से पहले इन जिलों में जागरूकता अभियान शुरू किया गया हैं ताकि निपाह वायरस के बढ़ते खतरे को रोक सके।

मिली जानकारी के मुताबिक, केरल सरकार ने रोग-ट्रैकिंग स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर कई बचाव उपाय किए हैं। इसमें सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम भी शामिल हैं, इसके द्वारा लोगों को निपाह वायरस से जुड़ी जोखिमों की जानकारी दी जा रही है और इससे बचाव के तरीकों के बारे में बताया जा रहा है।

दरअसल निपाह वायरस एक जूनोटिक वायरस है, यानी यह जानवरों से

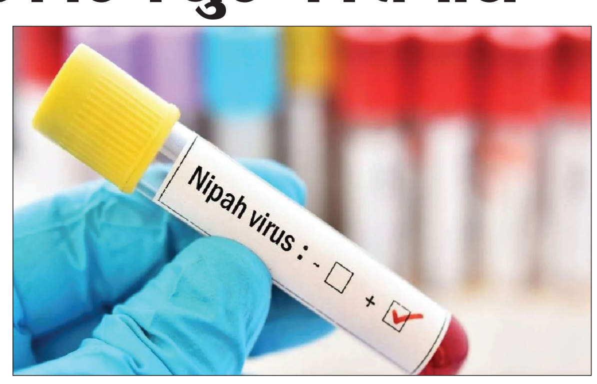

इंसानों में फैलता है। यह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों और सुअरों के जरिए इंसानों में फैलता है। लेकिन सबसे चिंता वाली बात यह है कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से यह इंसान से इंसान में भी तेजी से फैल सकता है।

यह वायरस पहली बार 1998 में मलेशिया में पाया गया था, जब यह सुअरों से इंसानों में फैला था। भारत में भी 2001 और 2018 में इसके मामले सामने आए थे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, निपाह वायरस का मृत्यु दर 40 से 75 प्रतिशत तक हो सकता है, जबकि कोविड-19 की मृत्यु दर औसतन 2 से 3 प्रतिशत थी। इसका मतलब है कि यह वायरस कम समय में ज्यादा लोगों की जान ले सकता है। फिलहाल, इस वायरस के लिए कोई वैक्सीन या पुख्ता इलाज उपलब्ध नहीं है, जिससे इसका खतरा और बढ़ जाता है।

हिंदु मतदाताओं का जीत विश्वास, केरल में यूडीएफ और एलडीएफ का खेल बिगाड़ेगी भाजपा

-लगातार बढ़ रहा भाजपा का वोट प्रतिशत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव में अभी एक साल का समय बाकी है, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ और लेफ्ट की अगुवाई वाले एलडीएफ ने चुनावी तैयारियां अभी से शुरू कर दी है। इस बीच लोगों में पैठ बना रही भाजपा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व वाम दलों की चुनौतियां बढ़ा सकती है।

केरल में बीते 10 वर्षों से वाम दल सत्ता में है। हालांकि वर्ष 2019 और 2024 के आम चुनाव में यूडीएफ ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह कहना मुश्किल है, कि लोकसभा का असर विधानसभा में दिखाई देगा। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद वर्ष 2021 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ ने केरल में सरकार बनाई थी। चुनावी रणनीतिकार मानते हैं कि पहले मतदाताओं के सामने यूडीएफ और एलडीएफ दो ही विकल्प होते थे। अब धीरे-धीरे दोनों गठबंधनों के वोट बैंक में सेंध लगाकर भाजपा अपनी जगह बना रही है। नायर और मछुआरा समुदायों पर भाजपा की पहले से नजर है। दोनों समुदाय अमूमन चुनाव में एलडीएफ का समर्थन करते रहे हैं।

केरल में अब तक राजनीति दो ध्रुवीय रही है, लेकिन भाजपा के प्रवेश के बाद सियासत बदल गई है। अगर भाजपा सभी सीट पर चुनाव लड़ती है, तब मुकाबला त्रिकोणीय होगा है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव में अभी अपना प्रदर्शन बरकरार रखती है, तब यह यूडीएफ और एलडीएफ दोनों का गणित बिगाड़ सकती है। क्योंकि, भाजपा का वोट बैंक लगातार बढ़ रहा है। लोकसभा में एनडीए को 19 फीसदी वोट मिले। जबकि 2021 विधानसभा में यह 12 प्रतिशत था।

केरल में कांग्रेस रणनीतिकार मानते हैं कि एलडीएफ सरकार के खिलाफ लोगों में खासी नाराजगी है। पर क्या यूडीएफ मतदाताओं की नाराजगी को अपने पक्ष में बदल पाएगी। वहीं, एलडीएफ के लिए भी अपना पुराना प्रदर्शन दोहराना आसान नहीं है। इसकी बड़ी वजह लोकसभा चुनाव में त्रिशूर सीट से भाजपा की जीत है। भाजपा ने केरल में सिर्फ त्रिशूर सीट से जीत दर्ज नहीं की है, करीब एक दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवार को सबसे अधिक वोट मिले हैं। भाजपा के प्रदर्शन से साफ है कि वह हिंदू मतदाताओं को भरोसा जीतने में सफल रही है। वहीं, ईसाई मतदाताओं के लिए भी भारतीय जनता पार्टी अब दूर नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लुइसियाना पेट्रोकेमिकल प्लांट के खिलाफ मुकदमा वापस लेगी ट्रंप सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने लुइसियाना में सिंथेटिक रबर निर्माता कंपनी के खिलाफ संघीय कानून को वापस लेने का फैसला किया है। दरअसल कंपनी पर आरोप लगा है कि इसके चलते कैंसर का खतरा बढ़ रहा था। लुइसियाना अश्वेत बहुल इलाका है। बाइडन सरकार में लुइसियाना की कंपनी के खिलाफ पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी ने मुकदमा दायर किया था। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने सत्ता संभालते ही पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के 170 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया। अब मुकदमा वापस लेने के ट्रंप प्रशासन के फैसले से कंपनी को बड़ी राहत मिलेगी, जो कई वर्षों से मुकदमेबाजी में फंसी थी।

अफगानिस्तान में 6000 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान पुलिस ने सोमवार रात उत्तरी अफगानिस्तान के तखर प्रांत में भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की। स्थानीय अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद अकबर हक्कानी ने कहा, पुलिस ने प्रांत की राजधानी तालुकान शहर के खटयान क्षेत्र में कुल 6,299 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। उन्होंने कहा कि ड्रग्स को एक गैस टैंकर के अंदर छिपाया गया था। अधिराकी ने कहा कि वाहन ताखर के पड़ोसी प्रांत बदख्शां से आ रहा था। इस मामले के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने अफीम की खेती और ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने तब तक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है जब तक देश ड्रग्स से मुक्त नहीं हो जाता। इस बीच, दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने 15 किलोग्राम हेरोइन समेत भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की है और 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला असदुल्ला जमशेद ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिनों में कई अभियानों के दौरान 15 किलोग्राम हेरोइन, 689 किलोग्राम हशीश और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं और सैकड़ों नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के दौरान पुलिस ने आठ एकड़ अफीम की खेती को भी नष्ट कर दिया।

न्यूजीलैंड में देश के नाम पर हुआ विवाद

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की संसद में देश के नाम पर विवाद हो गया। न्यूजीलैंड की संसद के स्पीकर ने सांसदों से कहा कि वे देश के माओरी नाम, एओटेरोआ पर आपत्ति करना बंद करें। दरअसल एक सांसद ने इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, लेकिन स्पीकर ने इस पर नाराजगी जताई। स्पीकर गेरी ब्राउनली ने मंगलवार को एक फैसले में कहा, एओटेरोआ का इस्तेमाल नियमित रूप से न्यूजीलैंड के नाम के रूप में किया जाता है। यह हमारे पासपोर्ट और हमारी मुद्रा पर भी दिखाई देता है। ऐसे में इस पर आपत्ति गलत है। दरअसल नाम को लेकर विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ जब एक सांसद ने दूसरे सांसद द्वारा इस नाम के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। वामपंथी ग्रीन पार्टी के रिकार्डो मेनेंडेज मार्च ने एक मंत्री से सवाल के दौरान एओटेरोआ नाम का इस्तेमाल किया। माओरी भाषा में इस संयुक्त शब्द का अर्थ है लंबे सफेद बादल की भूमि। इस पर न्यूजीलैंड के उप-प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और न्यूजीलैंड फर्स्ट कैंपेन के मशहूर नेता विंस्टन पीटर्स ने एओटेरोआ नाम पर आपत्ति जताई। पीटर्स ने ब्राउनली से संसद में एओटेरोआ शब्द के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए कहा। मंगलवार को ब्राउनली ने कहा कि सांसदों को पहले से ही न्यूजीलैंड की तीन आधिकारिक भाषाओं - अंग्रेजी, माओरी और न्यूजीलैंड सांकेतिक भाषा में से किसी में भी संसद को संबोधित करने की अनुमति है। इसके बाद उन्होंने विंस्टन पीटर्स की आपत्ति को खारिज कर दिया।

कनाडाई प्रधानमंत्रीबोले- ट्रम्प का हम पर टैरिफ लगाने का फैसला बेवकूफी भरा कदम

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से कनाडा पर 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के फैसले को बेवकूफी भरा बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प भले ही होशियार इंसान हैं, लेकिन ऐसा करना बहुत मूर्खतापूर्ण है। हम दो दोस्तों की लड़ाई बिल्कुल वैसी ही है, जैसी दुनिया भर में हमारे विरोधी देखना चाहते हैं। ट्रूडो ने कहा कनाडा वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के जरिए अमेरिकी टैरिफ को चुनौती देगा। अमेरिका के टैरिफ के जवाब में कनाडा ने भी टैरिफ का ऐलान किया है। इसे लेकर कनाडाई पीएम ने कहा कि जब तक अमेरिका टैरिफ वापस नहीं लेगा, तब तक हमारा टैरिफ भी लागू रहेगा। ट्रूडो ने कहा- ट्रम्प चाहते हैं कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो जाए, क्योंकि इससे उन्हें कनाडा को अमेरिका में मिलाना आसान हो जाएगा। मैं बता दूं कि ऐसा कभी नहीं होने वाला है। हम कभी भी अमेरिका के 51वें राज्य नहीं बनेंगे।

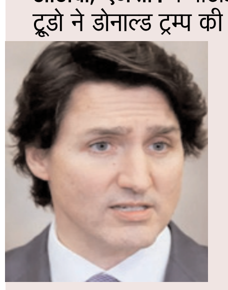

कांग्रेस के संबोधन में ट्रंप ने की घोषणा, दो अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। कांग्रेस के संयुक्त सत्र में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संबोधन के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी कठोर टैरिफ नीति का बचाव किया, तथा दोहराया कि अमेरिका को भारत सहित दुनिया भर के कई देशों से उच्च टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान कहा, अगर आप ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका में अपना उत्पाद नहीं बनाते हैं, तो आपको टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में, काफी बड़ा टैरिफ देना होगा। दूसरे देशों ने दशकों तक हमारे खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल किया है और अब हमारी बारी है कि हम उन दूसरे देशों के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करना शुरू करें। यह बहुत अनुचित है।'

ट्रंप ने उन देशों का नाम गिनाया, जो अमेरिका से बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, औसतन, यूरोपीय संघ, चीन, ब्राज़ील, भारत, मैक्सिको और कनाडा...क्या आपने उनके बारे में सुना है? और अनगिनत दूसरे देश हमसे बहुत ज़्यादा टैरिफ वसूलते हैं, जितना हम उनसे वसूलते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अनुचित है। अपने भाषण के दौरान भारत का ज़िक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, भारत हमसे 100 प्रतिशत से ज़्यादा ऑटो टैरिफ वसूलता है। उन्होंने आगे कहा, हमारे उत्पादों पर चीन का औसत टैरिफ हमसे दोगुना है और दक्षिण कोरिया का औसत

टैरिफ चार गुना अधिक है। ट्रम्प ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, जो 1 अप्रैल से नहीं बल्कि 2 अप्रैल से शुरू होगा, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि यह अप्रैल फूल्स डे के साथ मेल खाए।

बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए ठहराया जिम्मेदार : उन्होंने बाइडेन प्रशासन को आर्थिक तबाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप ने कहा, मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक अमेरिकी इकोनॉमी को बचाना और वर्किंग फैमिलीज को तुरंत और बड़ी राहत देना है। बाइडेन प्रशासन से हमें आर्थिक तबाही और महंगाई का बुरा सपना विरासत में मिला है। बाइडेन की नीतियों ने एनर्जी की कीमतें बढ़ा दीं, किराने का सामान महंगा कर दिया और लाखों अमेरिकियों के लिए बुनियादी जरूरतों को पहुंच से बाहर कर दिया। राष्ट्रपति के रूप में, मैं हर दिन इस नुकसान को ठीक करने और अमेरिका को फिर से किफायती बनाने के लिए लड़ रहा हूं।

100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी किया जिक्र : ट्रंप ने 100 एग्जिक्यूटिव ऑर्डर्स का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने अब तक लगभग 100 एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स पर साइन किए हैं और छह हफ्ते पहले पद संभालने के बाद 400 से ज्यादा कार्यकारी कदम उठाए हैं। उनके मुताबिक जॉर्ज वाशिंगटन का कार्यकाल 'नंबर दो' था, जबकि उनका सबसे ऊपर है।

इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का किया ऐलान : उन्होंने डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन को खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मैंने फेडरल सरकार, प्राइवेट सेक्टर और अमेरिकी सेना में लागू 'डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन' (डीईआई) नीतियों को खत्म कर दिया। अब हमारा देश वोक नहीं रहेगा।

अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी किया दावा : ट्रंप ने अमेरिका में फ्री स्पीच वापस लाने का भी दावा किया। उन्होंने कहा, हमने ऐसे सरकारी तंत्र को खत्म कर दिया है, जिसका इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जाता है, जिसके जरिए मौजूदा राष्ट्रपति को मेरे जैसे राजनीतिक विरोधी के खिलाफ बेरहमी से मुकदमा चलाने की इजाजत दी जाती है।

रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, कनाडा, मेक्सिको, भारत और दक्षिण कोरिया बहुत टैरिफ लगाते हैं। हम दो अप्रैल से कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाएंगे, जो हम पर टैक्स लगाएंगे, हम भी उन पर उतना ही टैक्स लगाएंगे।

डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया : उन्होंने डब्ल्यूएचओ को भ्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र ह्यूमन राइट्स कमीशन को अमेरिका विरोधी बताया। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैंने पद संभालते ही सभी फेडरल भर्तियों, नई फेडरल नीतियों और विदेशी सहायता पर तुरंत रोक लगा दी।

चीन ने फिर बढ़ाया अपना रक्षा बजट, रोजगार बढ़ाने पर चीन की सरकार का जोर

बीजिंग, एजेंसी। चीन लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ाता जा रहा है। इसी के तहत चीन ने एक बार फिर अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करने का एलान किया है। चीन ने बुधवार को अपने रक्षा बजट का एलान किया, जिसमें चीन ने रक्षा खर्च के लिए 249 अरब डॉलर का बजट रखा है। यह पिछले साल के बजट की तुलना में 7.2 प्रतिशत ज्यादा है।

पिछले साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में की थी बढ़ोतरी चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के सामने पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में इस साल चीन का रक्षा बजट 1.7 खरब युआन (249 अरब डॉलर) तय किया गया है। गौरतलब है कि बीते साल भी चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि की थी। पिछले साल चीन का रक्षा बजट 1.67 खरब युआन या कहें 232 अरब डॉलर था। चीन अपनी सेना का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण कर रहा है। इसके तहत चीन नए एयरक्राफ्ट करियर बना रहा है, तेजी से नौसैन्य जहाजों का निर्माण कर रहा है और स्टील्थ तकनीक पर आधारित लड़ाकू विमानों को विकसित कर रहा है। चीन, अमेरिका को हर मोर्चे पर चुनौती देने की तैयारी कर रहा है और इसी के तहत वह अपनी सेना को भी मजबूत करने में जुटा है। हालांकि अभी अमेरिका की तुलना में चीन का बजट काफी कम है, लेकिन जिस तेजी से चीन अपने सैन्य खर्च को बढ़ा रहा है, उसे देखते हुए जल्द ही चीन के भी अमेरिका के नजदीक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा चीन दक्षिण चीन सागर और वियतनाम के साथ भी हालात तनावपूर्ण हैं। भारत के साथ भी चीन का सीमा विवाद है। गौरतलब है कि भारत के मुकाबले चीन का सैन्य बजट तीन गुना से भी ज्यादा हो गया है। बीते दिनों पेश किए गए बजट में भारत ने अपने सैन्य खर्च के लिए 75 अरब डॉलर आवंटित किए थे। जबकि चीन का यह खर्च 249 अरब डॉलर है। इससे दोनों देशों के बीच के अंतर को साफ समझा जा सकता है। अन्य देशों की बात करें तो अमेरिका इस मामले में सबसे आगे है और उसका सैन्य बजट 895 अरब डॉलर है।

नेपाल ने प्रमुख सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं के शेष काम को पूरा करने का आश्वासन दिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने भारत को आश्वासन दिया है कि वह जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर सीमा-पार रेलवे लाइनों के शेष खंडों पर काम जल्द शुरू करने और पूरा करने के लिए कदम उठाएगा। रेलवे लाइन भारत के वित्तीय सहयोग से बिछाई जा रही हैं। दिल्ली में 27-28 फरवरी को आयोजित भारत-नेपाल परियोजना संचालन समिति और संयुक्त कार्य समूह की बैठकों में विभिन्न सीमा-पार रेलवे परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दोनों पक्षों ने भारत और नेपाल के बीच जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर बड़ी लाइन पर हो रहे कार्यों को लेकर चर्चा की।

पाकिस्तान में दो आत्मघाती बम विस्फोटों में 9 की मौत, 25 घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले के आर्मी कैंट इलाके में दो आत्मघाती बम विस्फोट हुए. इन धमाकों में कम से कम नौ लोग मारे गए जबकि 25 घायल हो गए. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े एक समूह ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में हुए हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि इस हमले में कई पाकिस्तानी सुरक्षा बल मारे गए. हालांकि सेना ने तुरंत किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी. इस बीच बन्नू जिला अस्पताल की ओर से कहा गया कि कम से कम नौ लोग मारे गए.

रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारियों में शामिल जाहिद खान ने कहा दो विस्फोटों के बाद हवा में धुंआ का गुबार उठ रहा था और गोलीबारी जारी थी. मरने वालों में चार बच्चे थे. पीड़ित विस्फोट स्थल के पास ही रहते थे. हमले सूर्यास्त के बाद हुए जब लोग मुस्लिम पवित्र महीने रमजान के दौरान अपना रोजा खोल रहे होते हैं. बन्नू जिला अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद नोमान के अनुसार शाम को हुए धमाकों में घरों और दूसरी इमारतों को बहुत नुकसान पहुंचा. छतें और दीवारें ढह गई और इसी वजह से लोग हताहत हुए. कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है.

बचावकर्मियों और प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ के अनुसार विस्फोटों के कारण पास की एक मस्जिद की छत गिर गई, जबकि कई नमाजी अंदर मौजूद थे. मलबे के नीचे से लोगों को निकालने की कोशिश की गई. बचावकर्मियों ने मस्जिद

के इमाम का शव बरामद किया.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो आत्मघाती हमलावरों ने विशाल सैन्य क्षेत्र की दीवार के पास खुद को उड़ा लिया. दीवार के साथ विस्फोट के बाद कुछ और हमलावरों ने सैनिक अड्डे में घुसने की कोशिश की, लेकिन उन्हें मार गिराया गया. जैश अल-फुरसान ने हमले की जिम्मेदारी ली है. रमजान रविवार से शुरू होने के बाद से यह पाकिस्तान में तीसरा आतंकवादी हमला है.

एक बयान में समूह ने कहा कि विस्फोट का कारण विस्फोटकों से लदा वाहन था. पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की और जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया. खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने जांच के आदेश दिए हैं.

आतंकियों ने कई बार बन्नू को निशाना बनाया है. पिछले नवंबर में एक आत्मघाती कार बम विस्फोट में 12 सैनिक मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे. जुलाई में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे अपने वाहन में विस्फोट कर दिया और अन्य आतंकवादियों ने सैन्य प्रतिष्ठान की बाहरी दीवार के पास गोलीबारी शुरू कर दी.

पिछले साल की शुरुआत से सूडान में 200 से अधिक बच्चों से बलात्कार हुआ : यूनिसेफ

काहिरा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी 'यूनिसेफ' ने बताया कि संघर्ष-ग्रस्त सूडान में 2024 की शुरुआत से एक साल की उम्र तक के बच्चे बलात्कार का शिकार हुए हैं। 'यूनिसेफ' के अनुसार, यौन हिंसा का इस्तेमाल युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है। 'यूनिसेफ' ने बताया कि उत्तर अफ्रीकी देश में लिंग आधारित हिंसा के विषय में काम करने वाली संस्थाओं द्वारा संकलित रिकॉर्ड के अनुसार, सशस्त्र बलों ने लड़कों सहित 221 बच्चों से बलात्कार किया। सूडान में युद्ध की शुरुआत अप्रैल 2023 में सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्द्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच खार्तूम में लड़ाई से हुई जो देश भर में फैल गई। तब से कम से कम 20,000 लोग मारे गए हैं, हालांकि यह संख्या कहीं अधिक होने की आशंका है। युद्ध के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग अपने अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हुए और देश के कुछ हिस्से भूखमरी की कगार पर हैं। अधिकार समूहों का कहना है कि यौन हिंसा और जबरन बाल विवाह सहित अत्याचार दोनों पक्षों

द्वारा किए गए हैं।

'यूनिसेफ' ने पिछले महीने बताया था कि युद्ध शुरू होने के बाद से अनुमानित 61,800 बच्चे आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। 'यूनिसेफ' ने कहा कि बच्चों के साथ बलात्कार के मामलों में 30 प्रतिशत से अधिक पीड़ित लड़के थे। पीड़ितों में पांच वर्ष से कम उम्र के 16 बच्चे और चार शिशु शामिल हैं। ये मामले गदारेफ, कसाला, गेजेरा, खार्तूम, रिवर नाइल, नॉर्दर्न स्टेट, साउथ कोर्दोफन, नॉर्थ दारफुर और वेस्ट दारफुर राज्यों में दर्ज किए गए। 'यूनिसेफ' की प्रवक्ता टेस इनग्राम ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि बलात्कार के शिकार हुए 221 बच्चों में से 73 मामले संघर्ष से संबंधित थे और 71 इससे संबंधित नहीं थे जबकि अन्य अज्ञात थे।

यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने रिपोर्ट में कहा कि बलात्कार सहित यौन हिंसा का इस्तेमाल ''युद्ध की रणनीति के रूप में किया जा रहा है'' जो अंतरराष्ट्रीय कानून और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों का उल्लंघन है। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा का दस्तावेजीकरण करने वाला गैर-लाभकारी संगठन 'एसआईएचए नेटवर्क' ने पिछले महीने कहा था कि युद्ध शुरू होने के बाद से संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा के लगभग 23 प्रतिशत मामले लड़कियों से जुड़े थे। दक्षिण कोर्दोफन में बंदूक के बल पर एक लड़के से बलात्कार किया गया और छह साल के बच्चे सहित कई बच्चों के साथ भी दुष्कर्म किया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 13 साल के बच्चे को बनाया सीक्रेट सर्विस एजेंट, इसकी वजह भावुक करने वाली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में सत्ता संभालने के बाद पहली बार अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अब तक किए गए कामों का जिक्र किया। ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एक 13 साल के बच्चे डीजे डेनियल को सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का भी एलान किया। जिस वक्त ट्रंप ने यह एलान किया, उस वक्त गैलरी में डीजे भी अपने परिजनों के साथ मौजूद रहा। डीजे के लिए पूरे सदन ने खड़े होकर तालियां बजाईं। दरअसल डीजे डेनियल कैंसर से पीड़ित है और उसका सपना था कि वह पुलिस अधिकारी बने। बच्चे की हालत को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे सीक्रेट सर्विस एजेंट नियुक्त करने का फैसला किया।

दुर्लभ कैंसर से पीड़ित है डीजे डेनियल : राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि डीजे डेनियल साल 2018 से एक दुर्लभ कैंसर से ग्रस्त है और डॉक्टर्स ने बताया था कि डीजे के पास सिर्फ पांच महीने का ही वक्त है, लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद डीजे लड़ा और आज छह साल बीत गए हैं। उसने कभी भी अपने पुलिस अधिकारी बनने के सपने को नहीं छोड़ा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि आज की रात हम डीजे को उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान देंगे। मैं हमारे सीक्रेट सर्विस निदेशक सीन कुरन से कहता हूं कि वे

आधिकारिक तौर पर तुम्हें अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का एजेंट नियुक्त करें। ट्रंप के इस एलान के बाद पूरा सदन भावुक हो गया और दोनों पार्टियों के सांसदों ने खड़े होकर डीजे और उसके पिता के सम्मान में तालियां बजाईं। इस दौरान सांसदों ने डीजे..डीजे के नारे भी लगाए। इसके बाद सीन कुरन ने डीजे को सीक्रेट सर्विस एजेंट का आधिकारिक बैज सौंपा। इससे खुश डीजे ने कुरन को गले लगा लिया।

ट्रंप ने टैरिफ को लेकर कही ये बात : ट्रंप ने अपने संबोधन के दौरान एलान किया कि 2 अप्रैल को पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे। जो भी देश हम पर टैरिफ लगाते हैं, हम उन पर टैरिफ लगाएंगे। यदि वे हमें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक टैरिफ लगाते हैं, तो हम भी उन्हें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक अवरोध लगाएंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, मंत्रियों से की वार्ता

लंदन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार शाम यहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग तथा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और एक दूसरे के यहां लोगों की आवाजाही बढ़ाने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।'' इससे पूर्व मंगलवार को विदेश मंत्री (ईएएम) ने अपनी छह दिवसीय यात्रा के पहले दिन ब्रिटेन और आयरलैंड की यात्रा के दौरान मंत्रिस्तरीय वार्ताएं कीं। उन्होंने मंगलवार को ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और गृह मंत्री यवेट कूपर के साथ भी भेंटवार्ता की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रिटेन और आयरलैंड के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए मंगलवार को लंदन पहुंचे और इसी के साथ उनकी छह दिवसीय यात्रा शुरू हो गई। यात्रा से पहले एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर की यात्रा से दोनों देशों के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध नवीनीकृत होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जो रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है।

द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा : बैठक के बाद विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ उनकी मुलाकात में

द्विपक्षीय सहयोग के अलावा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे। डॉ. एस. जयशंकर ने मुलाकात के दौरान हुई चर्चा के संदर्भ में एक्स पर लिखा, हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।

ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से भी की मुलाकात : बाद में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से मुलाकात की और आगे की चर्चा के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने लैमी के साथ भारत से आए उत्कृष्ट शोध-छात्रों से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि यह हमारी प्रतिभा और लोगों के बीच आदान-प्रदान की एक ज्वलंत अभिव्यक्ति है और ये विद्वान निश्चित रूप से भारत-ब्रिटेन संबंधों के महान समर्थक हैं। इससे पहले, डॉ. एस जयशंकर ने गृह सचिव यवेट कूपर से मुलाकात की और प्रतिभा के प्रवाह, लोगों के बीच आदान-प्रदान तथा तस्करी और उग्रवाद से निपटने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने व्यापार और वाणिज्य विभाग के सचिव जोनाथन रेनोल्ड्स के साथ भी बैठक की और दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति के बारे में चर्चा की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार
के खिलाफ लड़ाई